PRGI No. UPHIN/25/A1697

गरवी गुजरात

गरवी गुजरात

PUBLISHED HINDI DAILY FROM LUCKNOW

वर्ष : 02
अंक : 050
दि. 19.06.2026,
शुक्रवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

'भारत के लिए एआई का मतलब ऑल इंक्लूसिव': पेरिस में बोले पीएम मोदी-एफिल टावर पर चल रहा यूपीआई; तकनीक से बदल रहा देश

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पेरिस में 'विवाटेक 2026' को संबोधित करते हुए भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौते को द्विपक्षीय व्यापार और निवेश बढ़ाने वाला ऐतिहासिक कदम बताया। उन्होंने कहा कि भारत तकनीक के दम पर तेजी से बदल रहा है और भारत-फ्रांस इनोवेशन वर्ष दोनों क्षेत्रों के टेक इकोसिस्टम को जोड़ने का काम कर रहा है।

फ्रांस के पेरिस में आयोजित हो रहे यूरोप के सबसे बड़े स्टार्टअप और टेक्नोलॉजी उत्सव 'विवाटेक 2026' के 10वें संस्करण को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संबोधित किया। इस साल इस प्रतिष्ठित वैश्विक सम्मेलन में भारत 'अक कंट्री पार्टनर' के रूप में शामिल हुआ है। पीएम मोदी ने कहा कि इस बड़े बदलाव के दौर में तकनीक ऐसी होनी चाहिए जो हर किसी के काम आए। उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को नए सिरे से परिभाषित करते हुए कहा कि भारत के लिए 'अक' का सीधा मतलब 'ऑल इंक्लूसिव' यानी सबका समावेश और सबका कल्याण है।

भारत-एव व्यापार समझौते को बताया ऐतिहासिक

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत और यूरोपीय संघ के बीच हुए मुक्त व्यापार समझौते को दोनों क्षेत्रों के भविष्य के लिए एक बड़ा मील का पत्थर बताया। पीएम मोदी ने कहा कि साल की शुरूआत में संपन्न हुआ यह ऐतिहासिक समझौता न केवल द्विपक्षीय व्यापार को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा, बल्कि दोनों अर्थव्यवस्थाओं में निवेश के नए रास्ते भी खोलेगा। यह टैलेंट (प्रतिभा), टेक्नोलॉजी (तकनीक) और टूरिज्म (पर्यटन) के आदान-प्रदान के लिए कई नए रास्ते तैयार करेगा। इस साल 'भारत-फ्रांस इनोवेशन वर्ष' की शुरूआत के साथ फ्रांस एक बेहद महत्वपूर्ण पुल की भूमिका निभा रहा है, जो भारत और पूरे यूरोप के टेक इकोसिस्टम को एक-दूसरे के बेहद करीब ला रहा है।

इनोवेशन के लिए 50 अरब डॉलर की बड़ी मदद

वैश्विक निवेशकों और टेक कंपनियों को भारत में आमंत्रित करते हुए प्रधानमंत्री ने कई बड़े एलान किए। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा टैलेंट पूल है, जहां सरकार नियमों को आसान बनाकर 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' पर सबसे ज्यादा ध्यान दे रही है। इनोवेशन से लेकर प्रोडक्ट को मार्केट में उतारने तक के सफर के लिए भारत सरकार प्राइवेट सेक्टर को 50 अरब डॉलर से अधिक के प्रोत्साहन राशि दे रही है। इसके साथ ही भारत दुनिया का सबसे किफायती डाटा और सबसे सस्ती ग्रीन एनर्जी भी उपलब्ध करा रहा है।

अकेले भारत में दुनिया के 50% डिजिटल ट्रांजैक्शन

पीएम मोदी ने पिछले एक दशक में तकनीक के दम पर भारत में आए महा-बदलाव का खाका भी पेश किया। उन्होंने बताया कि भारत आज तकनीक का इस्तेमाल वित्तीय समावेशन, शिक्षा, टेलीमेडिसिन और कृषि जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में बहुत बड़े पैमाने पर कर रहा है। आज दुनिया के कुल रियल-टाइम डिजिटल लेन-देन का आधा हिस्सा अकेले भारत में होता है। भारत की यह ताकत अब फ्रांस में भी दिखाई दे रही है, जहां लोग पेरिस के मशहूर एफिल टावर और पेरिस एयरपोर्ट पर भी यूपीआई के जरिए आसानी से भुगतान कर पा रहे हैं। डिजीलॉकर जैसी डिजिटल पब्लिक गुड्स आज दुनिया के सामने मिसाल हैं।

सरकार राह बनाएगी, इंडस्ट्री करेगी कमाल

प्रधानमंत्री ने देश की नई टेक नीति को साफ करते हुए एक नया मंत्र दिया। उन्होंने कहा कि हमारी नीति स्पष्ट है। सरकार रास्ता बनाएगी और इंडस्ट्री इनोवेशन करेगी, स्टार्टअप्स नए बदलाव लाएंगे और ग्लोबल पार्टनर्स हमारे साथ मिलकर इसे बड़े पैमाने पर स्केल करेंगे। पीएम मोदी ने सम्मेलन में मौजूद सभी दिग्गजों से अपील की कि वे आगे आएं, भारत के साथ मिलकर काम करें और एक ऐसी तकनीक विकसित करें जो पूरी दुनिया के जीवन को बेहतर बना सके।

एक्सपोर्ट 35 गुना बढ़ा, 25 करोड़ लोग गरीबी से निकले... पीएम मोदी ने पेरिस में बताई 12 साल में कितना बदला भारत

(जीएनएस)।

फ्रांस की राजधानी पेरिस में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए भारत की विकास यात्रा और पिछले 12 सालों में हुए बदलावों का उल्लेख किया. उन्होंने कहा कि बीते 12 वर्ष 140 करोड़ भारतीयों के अद्भुत सामर्थ्य के रहे हैं. 12 साल के इस कालखंड में भारत की जीडीपी दोगुनी हुई है. एयरपोर्ट की संख्या दोगुनी हुई है. यूनिवर्सिटीज की संख्या भी दोगुनी हो गई है. हाईवे निर्माण की रफ्तार तीन गुना बढ़ गई है और मेट्रो नेटवर्क चार गुना हो गया है.

उन्होंने कहा, मैं आपको कुछ और तथ्य बताऊंगा, जिससे आप अंदाजा लगा पाएंगे कि भारत कितनी गति से और कितने बड़े पैमाने पर काम कर रहा है. पिछले 12 वर्षों में भारत का एक्सपोर्ट तीन गुना बढ़ गया है. भारत में मोबाइल मैन्यूफैक्चरिंग यूनिट्स की संख्या में 100 गुना वृद्धि हुई है. भारत आज दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल फोन मैन्युफैक्चरर है.

इसी गति और इसी प्रगति का नतीजा है कि आज भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली बड़ी अर्थव्यवस्था (फास्टेस्ट ग्रोइंग मेजर इकोनॉमी) है. लेकिन आज भारत की कहानी सिर्फ आर्थिक प्रगति की कहानी नहीं है. यह सामाजिक परिवर्तन की भी कहानी है.

पिछले 12 साल में देश में 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले हैं. यह आंकड़ा सुनकर आप भी हैरान हो जाएंगे. 25 करोड़ लोग. यानी यह ऐसी प्रगति है, जिसका लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रहा है.

फ्रांस में जितने घर हैं, पूरे फ्रांस में कुल जितने घर हैं, उससे भी अधिक पक्के घर बीते 12 वर्षों में हमने जरूरतमंदों के लिए बनाए हैं. आज हर परिवार के पास, चाहे वह कितना भी गरीब क्यों न हो, बैंक अकाउंट है. फाइनेंशियल इन्क्लूजन केवल एक सरकारी कार्यक्रम नहीं रहा, बल्कि सामाजिक परिवर्तन का एक बड़ा अभियान बन गया है.

इन 12 साल की उपलब्धियों में एक उपलब्धि ऐसी भी है, जिसे किसी आंकड़े या संख्या से नहीं मापा जा सकता. वह है 140 करोड़ भारतीयों का आत्मविश्वास.

आज का भारत और आज के भारत का युवा बहुत बड़े सपने देख रहा है. भारत का किसान नई संभावनाओं के साथ आगे बढ़ रहा है. भारत की महिलाएं नए नेतृत्व का परिचय दे रही हैं. इसलिए ये सिर्फ उपलब्धियों के 12 साल नहीं हैं, बल्कि भारत की आकांक्षाओं को नई बुलंदी देने का कालखंड रहा है.

एक समय था जब दूर-दराज के गांवों तक आधुनिक सुविधाएं पहुंचाना वास्तव में बहुत मुश्किल था. आज उन्हीं गांवों में बिजली भी है, इंटरनेट भी है और डिजिटल सेवाओं की पूरी दुनिया भी है.

आज एक क्लिक पर, कभी भी और कहीं भी बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध हैं. आज मोबाइल फोन भारत के नागरिकों को अनेक सुविधाओं से जोड़ रहा है.

हमारे किसान, हमारे मछुआरे, हमारे डेयरी फार्मर्स, हमारी महिलाएं और हमारे विद्यार्थी, सभी तकनीक के माध्यम से सशक्त हो रहे हैं और अपने लिए नए अवसर बना रहे हैं.

आपने 150 करोड़ से अधिक आधार आईडी के बारे में सुना होगा. लेकिन आज भारत सिर्फ पहचान को डिजिटल नहीं बना रहा है.

आज करीब 90 करोड़ भारतीयों की यूनिक डिजिटल हेल्थ आईडी बनाई जा चुकी है, जिससे मेडिकल रिकॉर्ड सुरक्षित और आसानी से उपलब्ध हो गए हैं. इससे स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच और गुणवत्ता दोनों में बड़ा सुधार आया है.

भारत की डिजिटल क्रांति सिर्फ भारत तक सीमित नहीं है. आज दुनिया के अनेक देश भारत के डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर मॉडल का अध्ययन कर रहे हैं. यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस यानी वढक इसका एक बड़ा उदाहरण है.

आज भारत में हर महीने अरबों डिजिटल लेनदेन हो रहे हैं. छोटे दुकानदार से लेकर सड़क किनारे रेहड़ी लगाने वाले तक डिजिटल भुगतान को अपना चुके हैं.

भारत का यह मॉडल दिखाता है कि टेक्नोलॉजी केवल सुविधा का माध्यम नहीं है, बल्कि सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण का भी प्रभावी साधन है.

भारत और फ्रांस के संबंध भी इसी विश्वास, नवाचार और साझी प्रगति पर आधारित हैं. आने वाले समय में रक्षा, अंतरिक्ष, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, स्वच्छ ऊर्जा, डिजिटल टेक्नोलॉजी और स्टार्टअप जैसे क्षेत्रों में हमारे सहयोग की संभावनाएं और अधिक व्यापक होने वाली हैं.

मुझे विश्वास है कि भारत और फ्रांस मिलकर न केवल अपने देशों के लिए, बल्कि पूरी दुनिया के लिए नए अवसर और नए समाधान तैयार करेंगे.

रक्षा मंत्री नागपुर में यंत्र इंडिया लिमिटेड में 10,000 टन क्षमता वाली एल्युमिनियम एक्सट्रूजन प्रेस मशीन के लिए भूमि पूजन करेंगे

श्री राजनाथ सिंह 19 जून, 2026 को महाराष्ट्र के नागपुर में अंबाझारी स्थित आयुध कारखाने में अत्याधुनिक 10,000 टन क्षमता वाली एल्युमीनियम एक्सट्रूजन प्रेस मशीन के लिए भूमि पूजन करेंगे। इस समारोह में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री श्री देवेंद्र फडणवीस, रक्षा उत्पादन सचिव श्री संजीव कुमार और रक्षा उत्पादन विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी तथा वाईआईएल के अधिकारी उपस्थित रहेंगे। प्रस्तावित एक्सट्रूजन प्रेस मशीन रक्षा विनिर्माण क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय संपत्ति होगी। यह रक्षा और एयरोस्पेस क्षेत्रों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए बड़े, उच्च-क्षमता संपन्न और सटीक एल्युमीनियम मिश्र धातु एक्सट्रूजन के उत्पादन की राष्ट्र की क्षमता को मजबूत करेगी।

तीसरे मोर्चे की आहट, सपा-भाजपा के लिए खतरे की घंटी? समझें तिगड़ी का गेम क्या?

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश की राजनीति में 2027 के विधानसभा चुनाव अभी लगभग आठ महीने दूर हैं, लेकिन हलचल पहले से तेज हो चुकी है। लखनऊ में 17 जून 2026 को पूर्व मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य और नगीना सांसद चंद्रशेखर आजाद (रावण) की मुलाकात ने नई बहस छेड़ दी है। क्या यह मुलाकात महज सौजन्य भेंट थी या यूपी में तीसरे मोर्चे की नींव पड़ रही है? और असदुद्दीन ओवैसी का इसमें क्या रोल हो सकता है? यह सवाल इन दिनों सियासी गलियारों में गूंज रहा है।

यह घटनाक्रम यूपी की जातीय और सामाजिक राजनीति की जटिलता को उजागर करता है। जहां एक तरफ भाजपा-एनडीए सत्ता की मजबूती पर भरोसा जता रही है, तो दूसरी तरफ सपा का ढऊ्अ (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) फॉर्मूला विपक्षी एकता का दावा कर रहा है। इनके बीच

स्वामी प्रसाद मौर्य, चंद्रशेखर आजाद और संभावित रूप से ओवैसी जैसे चेहरे एक नया विकल्प तलाश रहे दिख रहे हैं।

17 जून को लखनऊ में स्वामी प्रसाद मौर्य और चंद्रशेखर आजाद की बंद कमरे में लंबी बातचीत हुई। दोनों नेताओं ने अभी तक कोई औपचारिक घोषणा नहीं की, लेकिन राजनीति के गलियारों में चर्चा है कि यह एक नए गठबंधन की दिशा में पहला कदम है।

स्वामी प्रसाद मौर्य लंबे समय से छोटे-क्षेत्रीय दलों को एकजुट कर तीसरे मोर्चे की बात कर रहे हैं। सपा छोड़ने के बाद वे अपनी राजनीतिक जमीन तलाश रहे हैं।

चंद्रशेखर आजाद, भारी भीम आर्मी और आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के राष्ट्रीय अध्यक्ष, नगीना से सांसद के रूप में युवा दलित चेहरा बन चुके हैं। सपा के साथ गठबंधन की बात पहले नहीं बनी, इसलिए वे स्वतंत्र रणनीति पर काम कर रहे हैं। यह मुलाकात बहुजन-दलित-पिछड़े वोट बैंक को जोड़ने की कोशिश का संकेत देती है।

भारत की राष्ट्रपति बैतूल, मध्य प्रदेश में 'अध्यात्मिक जागृति द्वारा आदिवासी समाज का सशक्तीकरण' महासम्मेलन में शामिल हुईं

(जीएनएस)।

भारत की राष्ट्रपति, श्रीमती द्रौपदी मुर्मु आज 18 जून, 2026 को बैतूल, मध्य प्रदेश में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'अध्यात्मिक जागृति द्वारा आदिवासी समाज का सशक्तीकरण' महासम्मेलन में शामिल हुईं।

सभा को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि उपभोग की संस्कृति पर आधारित आज की तेज भागती दुनिया में समाज के हर वर्ग की अध्यात्मिक शुचिता बहुत महत्वपूर्ण हो गयी है। इसी के बल पर दीर्घकालिक रूप से समता-परक आचरण-पद्धति और प्राकृतिक संपदाओं के प्रति संवेदनशील जीवन-शैली विकसित की जा सकती है। आज के तनाव और युद्ध से त्रस्त विश्व में इसकी आवश्यकता अतीत के किसी भी काल-खंड की तुलना में और अधिक

हो गयी है। ऐसे परिदृश्य में, 'अध्यात्मिक जागृति द्वारा आदिवासी समाज का सशक्तीकरण' जैसे महासम्मेलनों का महत्व और भी बढ़ जाता है।

राष्ट्रपति ने कहा कि जनजातीय समुदाय की जीवनशैली सहज रूप से ही अध्यात्म की मूलभूत प्रेरणाओं के निकट होती है। प्राकृतिक सम्पदाओं से जुड़ाव उनकी वह सहज शक्ति है जो सर्व-मंगलकारी सोच और कार्यनीति को जीवन के हर आयाम में सामने लाती है। उन्हें यह जानकर प्रसन्नता हुई कि इस दृष्टि से ब्रह्माकुमारी संस्थान देश के अनेक हिस्सों में जनजातीय समाज के साथ मिलकर लंबे समय से अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य कर रहा है।

राष्ट्रपति ने कहा कि भारतीय जीवन दृष्टि के अनुसार कार्यरत प्रत्येक संस्था को इस बात का सदैव ध्यान रखना चाहिए कि समाज के किसी भी वर्ग का सशक्तीकरण केवल आर्थिक विकास तक सीमित नहीं हो सकता। वास्तविक सशक्तीकरण तब होता है जब व्यक्ति आत्मविश्वास, आत्मसम्मान और जागरूकता के बल पर सामाजिक दायित्वबोध के साथ अपने कार्यक्षेत्र में सक्रिय होता है।

पाकिस्तान के गैंगस्टर शहजाद भट्टी से जुड़े आतंकी नेटवर्क का भंडाफोड़, बुलंदशहर से 2 अरेस्ट कौन?

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश पुलिस की एंटी-टेररिस्ट स्क्वाड (ATS) ने एक बार फिर पाकिस्तान से संचालित आतंकी-गैंगस्टर नेटवर्क को करारा झटका दिया है। गुरुवार (18 जून 2026) को अळर ने बुलंदशहर जिले के अकबरपुर गांव से मोहम्मद उमर और फैजान नाम के दो युवकों को गिरफ्तार किया। दोनों पाकिस्तान में रह रहे गैंगस्टर शहजाद भट्टी और उसके सहयोगी आबिद जट्ट के नेटवर्क से जुड़े बताए जा रहे हैं।

यह गिरफ्तारी महज दो युवकों की नहीं, बल्कि भारत की संप्रभुता, सामाजिक सद्भाव और सुरक्षा को निशाना बनाने वाले बड़े क्रॉस-बॉर्डर नेटवर्क का हिस्सा है। जांच में सामने आया है कि आरोपी सोशल मीडिया के जरिए पाकिस्तानी हैंडलर्स के संपर्क में थे और पैसे के लालच में देश-विरोधी गतिविधियों को अंजाम देने की तैयारी कर रहे थे। आइए विस्तार से समझते हैं....

ATS अधिकारियों के अनुसार, खुफिया जानकारी के आधार पर 17 जून को दोनों को बुलंदशहर से पकड़ा गया। पूछताछ में उन्होंने कबूल किया कि शहजाद भट्टी, आबिद जट्ट, हम्माद बरकती और राणा हुनैन जैसे पाकिस्तानी हैंडलर्स के निर्देश पर काम कर रहे थे।

आरोपियों को सौंपे गए कामः

बुलंदशहर के विभिन्न इलाकों में आबिद जट्ट के पोस्टर चिपकाना और इसका वीडियो बनाकर पाकिस्तान भेजना।

संवेदनशील जगहों की रेकी (सर्विलांस) करना – खासकर लखनऊ छावनी और प्रयागराज के बमरौली एयर फोर्स स्टेशन की।

देश में सामाजिक तनाव पैदा करने, दहशत फैलाने और आतंकी गतिविधियों को बढ़ावा देने वाली प्रोपेगैंडा सामग्री फैलाना।

पोस्टर चिपकाने के लिए 12,000 रुपये और रेकी के लिए 10,000 रुपये का लालच दिया गया था। अळर ने उनके पास से 55 पोस्टर, वीडियो क्लिप्स और अन्य डिजिटल सबूत बरामद किए हैं। लखनऊ अळर थाने में वअढअ समेत संबंधित धाराओं में केस दर्ज कर आगे की जांच चल रही है।

शहजाद भट्टी पाकिस्तान में सक्रिय एक गैंगस्टर है, जिसे भारतीय सुरक्षा एजेंसियां क्रक का प्रॉक्सी मानती हैं। वह भारत में युवाओं को रेडिकलाइज करने, स्लीपर सेल बनाने, टारगेट किलिंग, हथियार सप्लाई और प्रोपेगैंडा फैलाने का काम करता है।

एनडीए उम्मीदवार परिमल नथवाणी, जिनकी जीत ने बिगाड़ा कांग्रेस का गणित ?

(जीएनएस)।

झारखंड में राज्यसभा की दो सीटों के लिए हुए चुनाव के नतीजे सामने आ गए हैं। चुनाव परिणामों ने राज्य की राजनीति में हलचल मचा दी है, क्योंकि मतदान के दौरान हुई कथित क्रॉस वोटिंग ने पूरे चुनावी गणित को बदल दिया।

एक सीट पर एनडीए (NDA) समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार परिमल नथवाणी ने जीत दर्ज की, जबकि दूसरी सीट पर झारखंड मुक्ति मोर्चा (JMM) के उम्मीदवार बैद्यनाथ राम विजयी रहे। सबसे बड़ा झटका कांग्रेस को लगा, क्योंकि प्रणव झा को हार का सामना करना पड़ा।

क्या रहा चुनाव का नतीजा?

राज्यसभा चुनाव में ठऊअ समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार परिमल नथवाणी को 28 वोट मिले। वहीं कांग्रेस उम्मीदवार प्रणव झा को केवल 20 वोट ही प्राप्त हुए। दूसरी ओर, खटट उम्मीदवार बैद्यनाथ राम को 30 वोट मिले और उन्होंने आसानी से जीत

हासिल कर ली। चुनाव अधिकारियों के अनुसार, कुल तीन वोट अमान्य घोषित किए गए। इनमें दो वोट भाजपा के विधायकों के और एक वोट कांग्रेस विधायक का बताया गया है।

क्रॉस वोटिंग ने कैसे बदला पूरा समीकरण?

इस चुनाव का सबसे चर्चित पहलू क्रॉस वोटिंग रहा। झारखंड विधानसभा में NDA के पास कुल 24 विधायक हैं। इनमेंः

भाजपा – 21 विधायक
आजसू पार्टी – 1 विधायक
जेडीयू – 1 विधायक
लोजपा (रामविलास) – 1 विधायक

यानी NDA के पास कुल 24 वोट थे।

शुरूआती आंकड़ों के लिहाज से झारखंड में सत्तारूढ़ महागठबंधन (JMM, कांग्रेस, आरजेडी और भाकपा-माले) के पास कुल 56 विधायकों का मजबूत समर्थन था। JMM के पास 34 और कांग्रेस के पास 16 विधायक थे। इस नंबर गेम के हिसाब से 'इंडिया' गठबंधन दोनों सीटें आसानी से जीत सकता था।

दूसरी तरफ, NDA के पास केवल 24 विधायक थे, जो जीत के आंकड़े (28 वोट) से 4 कम थे। लेकिन NDA ने निर्दलीय उम्मीदवार परिमल नथवाणी पर दांव खेलकर मुकाबले को त्रिकोणीय बना दिया। आखिरकार, INDIA Bloc के वोटों में सेंधमारी हुई और विधायकों की 'क्रॉस वोटिंग' की बदौलत नथवाणी को जरूरी 28 वोट मिल गए और कांग्रेस के प्रणव झा महज 20 वोटों पर सिमट गए।

परिमल नथवाणी कोई साधारण राजनेता नहीं हैं, बल्कि वह भारत और एशिया के सबसे बड़े कॉर्पोरेट घराने रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (RIL) के सबसे भरोसेमंद चेहरों में से एक हैं। वह रिलायंस इंडस्ट्रीज में डायरेक्टर – कॉर्पोरेट अफेयर्स के पद पर हैं। नथवाणी 1997 में रिलायंस ग्रुप से जुड़े थे। वह खुद बताते हैं कि ग्रुप के फाउंडर धीरुभाई अंबानी ने उन पर भरोसा जताया था।

दुनिया की सबसे बड़ी रिफाइनरी (जामनगर मेगा कॉम्प्लेक्स) के लिए जमीन अधिग्रहण करने और किसानों की समस्याओं को सुलझाने में परिमल नथवाणी ने सबसे मुख्य भूमिका निभाई थी।

सम्पादकीय

यूएस -ईरान समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

18 जून 2026 को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने 14-सूत्री समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए, जो 28 फरवरी 2026 से शुरू हुए अमेरिका-ईरान संघर्ष को समाप्त करने का लक्ष्य रखता है। ट्रंप ने फ्रांस में जी7 शिखर सम्मेलन के बाद फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों द्वारा वर्साय महल में आयोजित डिनर के दौरान भौतिक प्रति पर हस्ताक्षर किए। पेजेशकियन ने तेहरान में हस्ताक्षर किए और समझौता तुरंत प्रभावी हो गया। यह एमओयू पिछले युद्ध विराम को 60 दिनों के लिए बढ़ाता है, जिसमें लेबनान सहित सभी मोर्चे शामिल हैं। इसमें होर्मुज जलडमरूमध्य को व्यावसायिक नौवहन के लिए तुरंत बिना टोल या प्रतिबंध के खोलने का प्रावधान है, जिससे ईरान बिना किसी रोक-टोक के तेल निर्यात फिर शुरू कर सके। इससे पहले तेल की कीमतें 150 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई थीं। मुख्य प्रावधानों में ईरान द्वारा आईएईए निगरानी में समृद्ध यूरेनियम स्टॉक को डाउनब्लेंड करने और परमाणु हथियार न बनाने की प्रतिबद्धता शामिल है। अमेरिका ने 24 बिलियन डॉलर की जमी हुई ईरानी संपत्ति जारी करने और अनुपालन पर निर्भर 300 बिलियन डॉलर के पुर्ननिर्माण पंड के ढांचे का समर्थन करने पर सहमति दी। 60 दिनों के भीतर प्रतिबंधों में राहत, परमाणु मुद्दों और सुरक्षा पर अंतिम समझौते के लिए जेनेवा में बातचीत शुरू होने वाली है। वर्साय हस्ताक्षर से पहले डिजिटल प्रक्रिया हुई थी। उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और ईरानी संसद स्पीकर मोहम्मद बागेर गालिबफ ने पहले डिजिटल रूप से हस्ताक्षर किए थे, जिनके गवाह ट्रंप थे। विदेश मंत्री मार्को रुबियो वर्साय डिनर में मैक्रों के साथ मौजूद थे जब ट्रंप ने अंतिम हस्ताक्षर किए। हस्ताक्षरित दस्तावेजों की तस्वीरें दोनों पक्षों में आदान-प्रदान की गईं।

संघर्ष की पृष्ठभूमि में अमेरिका-इजरायल हमलों में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई की मौत हुई थी। इसमें अमेरिकी पक्ष में करीब 15 मौतें, ईरान में हजारों और लेबनान में 3700 से अधिक हताहत हुए। एमओयू अमेरिकी नौसैनिक नाकाबंदी हटाता है और सत्यापन तंत्र बनाए रखते हुए डी-एस्केलेशन पर केंद्रित है। हॉर्मुज जलडमरूमध्य-वैश्विक तेल परिवहन का महत्वपूर्ण मार्ग-के खुलने से बाजार दबाव कम हुआ है। ऊर्जा कीमतों में स्थिरता और शिपिंग विश्वास की बहाली से अंतर्राष्ट्रीय बाजारों को राहत मिली है। दोनों नेताओं ने इसे व्यावहारिक स्थिरता कदम बताया। ट्रंप ने इसे "बहुत मजबूत" दस्तावेज कहा जबकि पेजेशकियन ने इसे क्षेत्रीय गर्व का विषय बताया। वर्साय में हस्ताक्षर प्रतीकात्मक हैं, जहां 1919 में प्रथम विश्व युद्ध समाप्त करने वाली वर्साय संधि हुई थी। हालांकि यह अंतरिम है, लेकिन सक्रिय लड़ाई रोकने और कूटनीति का रास्ता खोलता है। पूर्ण पाठ सार्वजनिक रूप से ब्रीफ किया गया है।

आईसीएआर-आईआईओआर की स्मार्ट सीड कोटिंग तकनीक उन्नत बीज गुणवत्ता और फसल निर्धारण के माध्यम से जलवायु-लचीली कृषि को मजबूत बनाती है

स्मार्ट सीड टेक्नोलॉजी से मूंगफली और सोयाबीन की पैदावार में 30 प्रतिशत तक की वृद्धि हो रही है

बायोपॉलिमर आधारित स्मार्ट सीड्स से वर्षा आधारित कृषि को मजबूती मिलेगी और किसानों की आय में सुधार होगा

आईसीएआर-आईआईओआर बड़े पैमाने पर अपनाने के लिए सार्वजनिक और निजी बीज प्रणालियों के साथ साझेदारी को बढ़ावा दे रहा है

(जीएनएस)। जलवायु परिवर्तन के प्रति लचीली कृषि को मजबूत करने और कृषि उत्पादकता में सुधार लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, आईसीएआर-भारतीय तिलहन अनुसंधान संस्थान (आईसीएआर-आईआईओआर), हैदराबाद ने एक अभिनव बायोपोलीमर-आधारित स्मार्ट सीड कोटिंग तकनीक विकसित और प्रदर्शित की है, जिसे कृषि फसलों की एक विस्तृत श्रृंखला में बीज की गुणवत्ता, फसल के निर्धारण और जैविक और अजैविक तनाव के विरूद्ध लचीलेपन को बढ़ाने के लिए डिजाइन किया गया है।

जलवायु परिवर्तन, अनियमित वर्षा, सूखा, तापमान में अत्यधिक उतार-चढ़ाव, मृदा क्षरण, नए कीटों और रोगों के उदय, और संसाधनों के उपयोग की घटती दक्षता जैसी चुनौतियों के कारण कृषि क्षेत्र में बढ़ती चुनौतियों को देखते हुए, बीजों की श्रेष्ठ गुणवत्ता सुनिश्चित करना पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गया है। बीज कृषि प्रौद्योगिकी का प्राथमिक वाहक है और फसल उत्पादकता का आधार है। अनुकूलतम प्रबंधन स्थितियों में भी, बीजों का खराब अंकुरण उपज को काफी हद तक सीमित कर सकता है। इसलिए, फसल वृद्धि के प्रारंभिक चरणों में बीजों की गुणवत्ता को मजबूत करना कृषि उत्पादकता में सुधार के सबसे किफायती और व्यापक तरीकों में से एक है।

आईसीएआर-आईआईओआर द्वारा विकसित स्मार्ट सीड कोटिंग तकनीक (भारतीय पेटेंट) जैव अपघटनीय जैव-पॉलिमरिक पदार्थों का उपयोग करके बीजों के चारों ओर एक बहुक्रियाशील सुरक्षात्मक परत बनाती है। यह परत लाभकारी सूक्ष्मजीवों, पोषक तत्वों, सूक्ष्म पोषक तत्वों, फसल सुरक्षा एजेंटों और पौधों की वृद्धि को बढ़ावा देने वाले यौगिकों के लिए एक वाहक प्रणाली के रूप में कार्य करती है, और इन्हें सीधे बीज-मिट्टी के संपर्क केन्द्र में पहुंचाती है। यह सुरक्षात्मक सूक्ष्म वातावरण फसल के निर्धारण के महत्वपूर्ण चरण के दौरान तेजी से अंकुरण, पौधों की जोरदार वृद्धि, जड़ों के बेहतर विकास और पर्यावरणीय खिचाव के प्रति सहनशीलता में सुधार को बढ़ावा देता है।

किसानों के खेतों में किए गए क्षेत्रीय प्रदर्शनों से फसल की स्थापना, पौधों की मजबूती और उत्पादकता में उल्लेखनीय सुधार देखने को मिला है। तेलंगाना में मूंगफली और सोयाबीन पर किए गए प्रदर्शनों में पारंपरिक कृषि पद्धतियों की तुलना में उपज में लगभग 30 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जो उत्पादकता और लाभप्रदता बढ़ाने के लिए इस तकनीक की क्षमता को उजागर करती है। इसी तरह के बीज संवर्धन दृष्टिकोणों ने विभिन्न कृषि-जलवायु परिस्थितियों में कई फसलों पर सकारात्मक प्रभाव दिखाया है। सोयाबीन, मक्का, मूंगफली, चना, कपास, सरसों और अरहर पर किए गए बहु-स्थानिक एआईसीआरपी-बीज परीक्षणों में अंकुरण की मजबूती, फसल की स्थापना और उपज में लगातार सुधार देखा गया, जिसमें अनुपचारित नियंत्रणों की तुलना में उत्पादकता में 12-37 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो विभिन्न फसल प्रणालियों के लिए एक स्केलेबल स्मार्ट सीड तकनीक के रूप में बायोपोलीमर-आधारित बहुस्तरीय बीज उपचारों की क्षमता को दर्शाता है।

यह तकनीक विशेष रूप से वर्षा आधारित कृषि के लिए प्रासंगिक है, जो भारत के कृषि योग्य क्षेत्र का एक बड़ा हिस्सा है और जलवायु संबंधी अनिश्चितताओं के प्रति अत्यधिक संवेदनशील है। मानसून में देरी, बार-बार पड़ने वाला सूखा, नमी की कमी, मिट्टी की खराब स्थिति और कीटों और रोगों का प्रकोप अक्सर पौधों के अंकुरण और फसल की स्थापना को प्रभावित करता है, जिससे अंततः पैदावार कम हो जाती है। बीजों के प्रदर्शन में सुधार करके और विकास के सबसे संवेदनशील चरणों के दौरान अंकुरण करने वाले पौधों की रक्षा करके, स्मार्ट बीज तकनीकें फसलों की सहनशीलता को काफी हद तक बढ़ा सकती हैं और उत्पादन जोखिमों को कम कर सकती हैं।

परंपरागत बीज उपचारों के विपरीत, जो केवल एक ही उद्देश्य की पूर्ति करते हैं, आईसीएआर-आईआईओआर प्लेटफॉर्म एक व्यापक बीज संवर्धन प्रणाली के रूप में कार्य करता है जो एक ही अनुप्रयोग में कई लाभकारी कारकों को एकीकृत करने में सक्षम है। इस तकनीक को अनाज, बाजरा, दालें, तिलहन, रेशे वाली फसलें, चारा फसलें, सब्जियां, मसाले और बागवानी फसलों के लिए अनुकूलित किया जा सकता है, जिससे यह देश भर में विविध कृषि प्रणालियों के लिए एक बहुमुखी समाधान बन जाता है।

यह नवाचार सतत कृषि, जलवायु परिवर्तन से निपटने की क्षमता, उन्नत बीज प्रणालियों और संसाधनों के बेहतर उपयोग जैसी राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के अनुरूप है। उन्नत बीज संवर्धन प्रौद्योगिकियों को व्यापक रूप से अपनाने से कृषि उत्पादकता बढ़ाने, इनपुट हानि को कम करने, पोषक तत्वों और जैविक उपयोग दक्षता में सुधार करने और देश के खाद्य, पोषण और आर्थिक सुरक्षा के प्रयासों में महत्वपूर्ण योगदान मिल सकता है।

आईसीएआर-आईआईओआर के वैज्ञानिकों ने इस बात पर बल दिया कि भविष्य में कृषि विकास तेजी से उन तकनीकों पर निर्भर करेगा जो किसानों द्वारा उपयोग किए जाने वाले प्रत्येक इनपुट की दक्षता और प्रभावशीलता में सुधार करती हैं। स्मार्ट सीड्स इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हैं, जो फसल की वृद्धि के शुरूआती चरण में ही, जहां इनकी सबसे अधिक आवश्यकता होती है, सुरक्षा, पोषण और जैविक सहायता प्रदान करते हैं। ऐसी तकनीकें किसानों को बेहतर फसल स्थापना, तनाव सहनशीलता में सुधार, उच्च पैदावार और अधिक लाभप्रदता प्राप्त करने में मदद कर सकती हैं, साथ ही पर्यावरणीय प्रभावों को भी कम कर सकती हैं।

इस नवाचार के अधिकतम लाभ प्राप्त करने के लिए, आईसीएआर-आईआईओआर व्यापक प्रसार और उपयोग हेतु सार्वजनिक और निजी बीज प्रणालियों के साथ साझेदारी को बढ़ावा दे रहा है। राज्य बीज विकास निगम, राष्ट्रीय बीज निगम, सहकारी बीज संघ, किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ), बीज प्रसंस्करण इकाइयाँ, बीज केंद्र, अनुकूलित बीज उपचार केंद्र, बीज उद्यमी और निजी बीज कंपनियाँ स्मार्ट बीज प्रौद्योगिकियों को बीज उत्पादन और वितरण नेटवर्क में एकीकृत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। इस प्रकार के सहयोग से यह सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी कि गुणवत्ता-संवर्धित बीज बड़े पैमाने पर किसानों तक पहुँचें और सतत कृषि विकास में योगदान दें।

आईसीएआर-आईआईओआर जैव पॉलिमर, लाभकारी सूक्ष्मजीवों, पोषक तत्व वितरण प्रणालियों और पर्यावरण के अनुकूल फॉर्मूलेशन से युक्त अगली पीढ़ी की बीज संवर्धन प्रौद्योगिकियों पर अनुसंधान को आगे बढ़ा रहा है, जिसका उद्देश्य पारंपरिक बीजों को जलवायु-प्रतिरोधी स्मार्ट बीजों में परिवर्तित करना है। ऐसी प्रौद्योगिकियों को व्यापक रूप से अपनाने से भारत की बीज प्रणाली सुदृढ़ हो सकती है, कृषि उत्पादकता में सुधार हो सकता है, जलवायु परिवर्तन के प्रति लचीलापन बढ़ सकता है और अंततः देश भर के लाखों किसानों की आजीविका में सुधार हो सकता है।

'वन नेशन, वन एक्सपो' थीम के तहत भारत बिल्डकॉन 2026 का उद्घाटन

राज्य मंत्री श्री जितिन प्रसाद ने भारतीय आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा देने और उद्योग के लिए वैश्विक अवसरों के विस्‍तार में एफटीए की भूमिका पर जोर दिया

भारत बिल्डकॉन 2026 में 90 से ज्यादा देशों और 100 भारतीय शहरों के प्रतिभागी एक साथ आए, जहाँ 24 भवन निर्माण सामग्री खंडों में नवाचारों का प्रदर्शन किया गया

प्रविष्टि तिथिः 18 खवठ 2026 5:08ढट ु८ ढक्ष् ऊे

भारत बिल्डकॉन 2026 झ 'वन नेशन, वन एक्सपो' जो भवन निर्माण सामग्री और निर्माण उद्योग के लिए एक प्रदर्शनी है, का उद्घाटन आज नई दिल्ली स्थित यशोभूमि कन्वेंशन सेंटर में उद्घाटन वाणिज्य एवं उद्योग तथा इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री श्री जितिन प्रसाद, केंद्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्री श्री मनोहर लाल तथा सांसद श्री पुरुषोत्तम रूपाला ने निर्माण एवं भवन सामग्री उद्योग के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में किया।

पहले दिन यहाँ 25,000 से अधिक आगंतुक प्रदर्शनी देखने आए। यह प्रदर्शनी भारत के विभिन्न हिस्सों और विदेशों से आर्किटेक्ट्स, बिल्डर्स, डेवलपर्स, ठेकेदारों, निमार्ताओं, व्यापारियों, नीति-निमार्ताओं, उद्योग संघों तथा अंतरराष्ट्रीय खरीदारों को एक साथ लाती है, जिससे उद्योग के बीच संवाद और व्यावसायिक सहयोग के लिए एक मंच उपलब्ध होता है।

इस अवसर पर अपने संबोधन में वाणिज्य एवं उद्योग तथा इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री श्री जितिन प्रसाद ने आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा देने और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भारतीय उद्योगों के लिए अवसरों के विस्तार में मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) की भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने भारतझब्रिटेन व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौते (सीईटीए) का उल्लेख करते हुए कहा कि इस समझौते से दोनों देशों के बीच बाजार पहुंच बढ़ने के साथ ही साथ व्यापार संबंधों के मजबूत होने की आशा है, जिससे भारतीय निमार्ताओं और निर्यातकों के लिए नए अवसर उत्पन्न होंगे। श्री प्रसाद ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विजन का भी उल्लेख किया, जिसमें गुणवत्‍ता पर ध्यान देते हुए भारत को भरोसेमंद वैश्विक विनिर्माण और सोर्सिंग गंतव्य के तौर पर स्थापित करने की बात कही गई है। उन्होंने कहा कि भारत के पास निर्माण एवं भवन सामग्री सहित विभिन्न क्षेत्रों में अपनी उपस्थिति को मजबूत करने के लिए आवश्यक क्षमताएँ और संसाधन मौजूद हैं। श्री प्रसाद ने कहा कि भारत बिल्डकॉन जैसे मंच निमार्ताओं, नवप्रवर्तकों, खरीदारों, नीति-निमार्ताओं और उद्योग हितधारकों के बीच संवाद को सुगम बनाते हैं, साथ ही इस क्षेत्र में अधिक सहयोग और व्यावसायिक अवसरों के विस्तार में योगदान देते हैं।

भारत बिल्डकॉन 2026 में 90 से अधिक देशों और भारत के 100 से अधिक शहरों की भागीदारी है। इस प्रदर्शनी में सिरेमिक्स और स्टोन, हार्डवेयर, सीमेंट और स्टील, प्लाइवुड और लैमिनेट्स, फर्नीचर, सैनिटरीवेयर, इलेक्ट्रिकल्स, पेंट्स, निर्माण प्रौद्योगिकियों तथा अन्य संबंधित क्षेत्रों सहित 24 खंडों में उत्पादों, तकनीकों और नवाचारों का प्रदर्शन किया जा रहा है। यह प्रदर्शनी आगामी दिनों में भी जारी रहेगी और उद्योग सहभागिता, प्रौद्योगिकी प्रदर्शन तथा व्यावसायिक संवाद के लिए एक मंच प्रदान करेगी

सुपरहिट हॉरर फिल्म 'द रिंग'˘ की एक्ट्रेस डेवी चेज की हुई मौत

(जीएनएस)। हॉलीवुड से एक बेहद दुखद खबर सामने आ रही है। ब्लॉकबस्टर हॉरर फिल्म 'द रिंग' में अपने दमदार अभिनय से दुनिया भर में पहचान बनाने वाली एक्ट्रेस डेवी चेज का 35 साल की उम्र में निधन हो गया है। उनकी अचानक मौत की खबर ने फिल्म इंडस्ट्री के साथ-साथ करोड़ों फैंस को भी गहरे सदमे में डाल दिया है। सोशल मीडिया पर फैंस लगातार उन्हें श्रद्धांजलि दे रहे हैं और उनकी यादों को शेयर कर रहे हैं।

गंभीर बीमारी से जूझ रही थीं डेवी चेज

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार एक्ट्रेस डेवी चेज पिछले कुछ समय से मेनिन्जाइटिस और गंभीर ब्लड इंफेक्शन जैसी स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रही थीं। बताया जा रहा है कि इंफेक्शन लगातार बढ़ रहा था, जिससे उनके शरीर के कई अंग प्रभावित होने लगे थे। अच्छे ट्रीटमेंट के बावजूद उनकी हालत में सुधार नहीं हो पा रहा था और आखिरकार 35 साल की उम्र में उन्होंने अंतिम सांस ली।

चाइल्ड आर्टिस्ट से हॉलीवुड स्टार बनने तक का सफर

-आपको बता दें कि डेवी चेज की मौत की खबर ने उन लोगों को भी हैरान कर दिया है, जिन्होंने उन्हें बचपन से बड़े पर्दे पर बढ़ते हुए देखा था। इतनी कम उम्र में उनका जाना हॉलीवुड के लिए एक बड़ी क्षति माना जा रहा है।

-डेवी चेज उन कलाकारों में शामिल थीं जिन्होंने बेहद कम उम्र में एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में कदम रखा था। अपने अभिनय कौशल और अलग पहचान वाली आवाज की बदौलत उन्होंने जल्दी ही दर्शकों के दिलों में जगह बना ली थी।

-साल 2000 के दशक में डेवी चेज को हॉलीवुड की सबसे प्रतिभाशाली युवा कलाकारों में गिना जाता था। एक्टिंग के साथ-साथ वॉयस आर्टिस्ट के रूप में भी उन्होंने खूब पॉपुलैरिटी हासिल की थी। उनकी प्रतिभा ने उन्हें इंडस्ट्री में एक अलग मुकाम दिलाया था।

'द रिंग' और 'लिलो एंड स्टिच' से मिली वैश्विक पहचान

-डेवी चेज का नाम लेते ही सबसे पहले ब्लॉकबस्टर हॉरर फिल्म 'द रिंग' की याद आती है। इस फिल्म में उनके किरदार ने दर्शकों को डराने के साथ-साथ उनके अभिनय की गहरी छाप भी छोड़ी थी। ये फिल्म उनके करियर का सबसे बड़ा टर्निंग प्वाइंट साबित हुई थी।

-इसके अलावा डिज्नी की फेमस एनिमेटेड फिल्म 'लिलो एंड स्टिच' में 'लिलो' को अपनी आवाज देकर भी डेवी ने दुनियाभर में पहचान बनाई थी। उनकी आवाज और अभिनय दोनों ने उन्हें लाखों दर्शकों का पसंदीदा कलाकार बना दिया था।

विवादों ने बदला करियर का रास्ता

सफलता की ऊंचाइयों पर पहुंचने के बावजूद डेवी चेज का निजी जीवन कई उतार-चढ़ावों से गुजरा था। कुछ कानूनी विवादों और व्यक्तिगत समस्याओं के चलते उन्होंने धीरे-धीरे फिल्म इंडस्ट्री से दूरी बना ली थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक डेवी चेज का नाम कुछ ड्रग्स से जुड़े मामलों में भी सामने आया था, जिसके बाद उनका करियर प्रभावित हुआ था। एक समय इंडस्ट्री की उभरती हुई स्टार मानी जाने वाली डेवी अचानक पर्दे से गायब हो गई थीं और लंबे समय तक सार्वजनिक जीवन से दूर रहीं।

2016 में रिलीज हुई थी डेवी की आखिरी फिल्म

-कई सालों तक सुर्खियों से दूर रहने के बाद डेवी चेज ने साल 2016 में हॉरर फिल्म 'जैक गोज होम' के जरिए बड़े पर्दे पर वापसी की थी। फिल्म में उनके काम को सराहा गया था लेकिन ये उनके अभिनय करियर की आखिरी फिल्म साबित हुई।

-अब डेवी चेज के निधन के साथ हॉलीवुड ने एक ऐसी कलाकार को खो दिया है, जिसने कम उम्र में ही अपनी प्रतिभा से दुनिया भर में पहचान बनाई थी। भले ही डेवी चेज आज इस दुनिया में नहीं हैं लेकिन उनकी फिल्मों और यादगार किरदारों के जरिए वह हमेशा दर्शकों के दिलों में जिंदा रहेंगी।

-डेवी चेज का असमय निधन हॉलीवुड और उनके फैंस के लिए एक बड़ा झटका है। एक चाइल्ड आर्टिस्ट के रूप में शुरू हुआ उनका सफर कई यादगार किरदारों और उपलब्धियों से भरा रहा। 'द रिंग' और 'लिलो एंड स्टिच' जैसे प्रोजेक्ट्स के जरिए उन्होंने जो पहचान बनाई, वह आने वाले कई सालों तक याद की जाती रहेगी।

वैभव सूर्यवंशी के लिए बीसीसीआई ने किए विशेष इंतजाम, श्रीलंका में बवाल के बाद भारतीय बोर्ड ने उठाया बड़ा कदम

(जीएनएस)। श्रीलंका के दांबुला मैदान पर भारत-ए और श्रीलंका-ए के बीच मैच के बाद हुए विवाद ने क्रिकेट जगत में काफी सुर्खियां बटोरी हैं। इस घटना के ठीक बाद भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने एक बेहद संजीदा और बड़ा कदम उठाते हुए अपने 15 वर्षीय युवा स्टार बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी के लिए एक विशेष प्रोटोकॉल तैयार किया है। यूके और आयरलैंड दौरे पर ड्रेसिंग रूम में माहौल अच्छा रखने का प्रयास किया जाएगा।

श्रीलंका से आने के बाद वैभव सूर्यवंशी को आगामी यूके और आयरलैंड दौरे के लिए रवाना होना है, जहां वे भारतीय टीम का हिस्सा होंगे। उनकी बेहद कम उम्र और श्रीलंका में मैदान पर उपजे हालिया तनावपूर्ण

हालातों को देखते हुए बीसीसीआई ने इस बार उनके यात्रा प्रोटोकॉल और लॉजिस्टिक्स में कुछ बहुत ही महत्वपूर्ण बदलाव करने का फैसला किया है, पैरेंट्स उनके साथ जाएंगे।

अकेले सफर नहीं करेंगे

बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने पीटीआई से बातचीत में कहा कि नियर राष्ट्रीय टीम में 14-15 साल के खिलाड़ी का होना बेहद दुर्लभ है। कई दशकों बाद भारतीय क्रिकेट को वैभव सूर्यवंशी जैसा असाधारण प्रतिभाशाली खिलाड़ी मिला है। इससे पहले इतनी कम उम्र में सचिन तेंदुलकर ने भारतीय सीनियर टीम में जगह बनाई थी। ऐसे में इतनी कम उम्र के खिलाड़ी के लिए सीनियर टीम के माहौल में खुद को ढालना आसान नहीं होता और कई तरह की चुनौतियां सामने आती हैं।

उन्होंने आगे कहा कि इसी को ध्यान में रखते हुए हमने वैभव के साथ एक अभिभावक जैसी मौजूदगी सुनिश्चित करने का फैसला किया है। टीम के सभी खिलाड़ी और सपोर्ट स्टाफ वयस्क हैं, ऐसे माहौल में किसी 14 वर्षीय खिलाड़ी के लिए सहज महसूस करना बेहद जरूरी है। हमारा मानना है कि इससे वैभव को टीम के वातावरण में जल्दी घुलने-मिलने में मदद मिलेगी और उनके सामने आने वाली कई व्यावहारिक व मानसिक चुनौतियां भी काफी हद तक कम हो जाएंगी।

अनुशासन और सुरक्षा पर बोर्ड का कड़ा रुख

श्रीलंका के खिलाड़ी को धक्का देने की घटना के बाद मैच रेफरी ने वैभव पर भारी जुमार्ना लगाने की सिफारिश की है, जिससे बोर्ड उनके व्यवहार को लेकर भी सतर्क है। इस विशेष इंतजाम के जरिए बीसीसीआई न सिर्फ उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना चाहता है बल्कि उन्हें खेल के कड़े अनुशासन के बारे में भी सिखाना चाहता है।

यूके का यह दौरा वैभव सूर्यवंशी के करियर के लिए एक बहुत बड़ा टर्निंग पॉइंट साबित हो सकता है जहां की तेज और पिचों पर उनका असली इम्तिहान होना है। ऐसे में बीसीसीआई द्वारा किया गया यह विशेष और अनोखा इंतजाम उन्हें बिना किसी मानसिक तनाव के सिर्फ और सिर्फ

डॉलर के सामने औंधे मुंह क्यों गिरा भारतीय रुपया? 3 बड़ी वजह, आपकी जेब पर कितना असर

(जीएनएस)। भारतीय रुपये में एक बार फिर कमजोरी देखने को मिली है। गुरुवार (18 जून) को शुरूआती कारोबार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 21 पैसे टूटकर 94.71 के स्तर तक पहुंच गया। एक दिन पहले ही रुपये ने मामूली मजबूती दिखाई थी, लेकिन यह बढ़त ज्यादा देर टिक नहीं पाई। एक आम भारतीय नागरिक के लिए रुपये का गिरना सीधे तौर पर महंगाई बढ़ने का संकेत होता है, क्योंकि अब भारत को विदेशों से कच्चा तेल, इलेक्ट्रॉनिक सामान और अन्य जरूरी चीजें आयात करने के लिए पहले से ज्यादा पैसे चुकाने होंगे।

सवाल यह है कि आखिर अचानक ऐसा क्या हुआ कि भारतीय मुद्रा फिर दबाव में आ गई? क्या इसका असर पेट्रोल, मोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स और विदेश से आने वाले सामानों पर पड़ सकता है? आइए समझते हैं कि आखिर रुपये में इस बड़ी गिरावट के पीछे कौन से 3 सबसे बड़े कारण हैं।

1. अमेरिकी सेंट्रल बैंक का कड़ा रुख और ब्याज दरें बढ़ने का इशारा

रुपये के टूटने की सबसे मुख्य वजह अमेरिकी सेंट्रल बैंक यानी

फेडरल रिजर्व का 'हॉकिश' (सख्त) रवैया है। फेडरल रिजर्व ने अपनी हालिया मीटिंग में जमा दरों को तो फिलहाल नहीं बदला, लेकिन उसने साफ संकेत दे दिए हैं कि इस साल के अंत तक ब्याज दरों में कम से कम एक चौथाई फीसदी (0.25%) की बढ़ोतरी की जा सकती है।

जब अमेरिका में ब्याज दरें बढ़ती हैं या बढ़ने के संकेत मिलते हैं, तो दुनिया भर के ग्लोबल इनवेस्टर्स भारतीय बाजार जैसे उभरते बाजारों से अपना पैसा निकालकर अमेरिकी संपत्तियों में लगाने लगते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि उन्हें वहां निवेश करना ज्यादा सुरक्षित और फायदेमंद लगने लगता है। इस वजह से अंतरराष्ट्रीय बाजार में डॉलर की मांग तेजी से बढ़ती है और रुपया कमजोर होने लगता है।

2. ग्लोबल मार्केट में अमेरिकी डॉलर का बढ़ता दबदबा

फेडरल रिजर्व के इस फैसले के बाद दुनिया की छह प्रमुख करेंसी के मुकाबले डॉलर की मजबूती को मापने वाला डॉलर इंडेक्स 0.14% की बढ़त के साथ 100.23 के स्तर पर पहुंच गया है। यह पिछले चार महीनों में डॉलर इंडेक्स का सबसे ऊंचा स्तर है।

जब डॉलर वैश्विक स्तर पर मजबूत होता है, तो दुनिया भर की अन्य प्रमुख करेंसी पर दबाव आना स्वाभाविक है। फिनरेक्स ट्रेजरी एडवाइजर्स एलएलपी के हेड ऑफ ट्रेजरी अनिल कुमार भंसाली के मुताबिक, डॉलर के इस आक्रामक रुख के सामने लगभग सभी तरह के एसेट क्लास कमजोर नजर आ रहे हैं, जिससे डॉलर को हर तरफ से सपोर्ट मिल रहा है और भारतीय करेंसी लगातार बैकफुट पर जा रही है।

3. एशियाई बाजारों में कमजोरी और घरेलू शेयर बाजार की सुस्ती

रुपये के गिरने का तीसरा बड़ा कारण यह है कि आज सुबह से ही भारत के पड़ोसी एशियाई देशों की करेंसी में भी डॉलर के मुकाबले भारी कमजोरी देखी जा रही है। जब पूरा एशियाई बाजार दबाव में होता है, तो उसका संक्रामक असर भारतीय रुपये पर भी पड़ता है।

इसके साथ ही, आज घरेलू शेयर बाजार की शुरूआत भी गिरावट के साथ हुई। शुरूआती कारोबार में सेंसेक्स 111.23 अंक गिरकर 77,044.39 पर और निफ्टी 26.85 अंक फिसलकर 24,058.85 के स्तर पर आ गया। शेयर बाजार में इस सुस्ती ने भी रुपये के सेंटिमेंट को कमजोर करने का काम किया, हालांकि विदेशी संस्थागत निवेशक (FII) अभी भी भारतीय बाजार में शुद्ध खरीदार बने हुए हैं और उन्होंने बुधवार को 101.59 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

PRGI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR
Rage.Office: TF-01, Nanakram Super Market, Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad - 380 005 Gujarat,India. Phone : (O) 9016333307(M)9328333307,9825333307
Email : garvigujarat2007@gmail.com*garvigujarat2007@yahoo.com*Website : www.garvigujarat.co.in

'महापापियों के लिए कुरुक्षेत्र साबित होगी अयोध्या', अखिलेश यादव ने चढ़ावा मामले को लेकर भाजपा पर साधा निशाना

(जीएनएस)।

राज्य ब्यूरो, लखनऊ। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने राम मंदिर के चढ़ावा प्रकरण को लेकर निशाना साधा है। उन्होंने गुरुवार को एक्स पर लिखा,'अयोध्या महापापियों के लिए कुरुक्षेत्र साबित होगी। यहीं भाजपाई राजनीति का आरंभ हुआ था, यहीं अंत भी होगा।'

सपा प्रमुख ने आगे लिखा कि चढ़ावे-चंदे-दान-शिला चोरी की घटना के बाद से दर्शनार्थियों की संख्या पर नकारात्मक असर पड़ा है। पावन सनातनी तीर्थ की शुचिता, जिन भाजपाइयों और उनके संगी-साथियों की वजह से कलुषित हुई है, वो अपना कारनामा करके सदैव की तरह

स्थानीय लोग मंदिर जाने से भी घबरा रहे हैं कि कहीं उनको ही जांच के नाम पर फंसा न दिया जाए। जांच कहां तक पहुंची, इसकी डेली

ब्रीफिंग होनी चाहिए, क्योंकि भाजपा सरकार में हो रहे 'महा-भ्रष्टाचार' के कारण जनता का एसआईटी तक पर विश्वास नहीं है। मथुरा से भी आई धांधली की खबर गंभीर है, उसकी भी उच्च स्तरीय जांच हो। मुख्यमंत्री के बयान, 'गाय का दूध पियेंगे और सड़कों पर छोड़ देंगे', को लेकर लिखा, '14 दिन में छुट्टा पशुओं की समस्या से छुटकारा दिलाने का वादा करने वालों को जब यह बयान सुनाया जाएगा तो कहीं चुनाव से पहले ही इनका सफाया न हो जाए। ये अपनी बात का नहीं तो अपनों से बड़ों की बात का तो सम्मान करें, याद रहे दिल्ली की पर्ची सिर्फ किसी के बनाने के लिए नहीं आती है, वहां की पर्ची पर तो पूरी कैबिनेट बदल जाती है।'

वहीं गुरुवार को पार्टी मुख्यालय पर बीएससी नर्सिंग के छात्रों ने सपा प्रमुख से मुलाकात कर अपनी समस्याएं बताईं। वहीं मेरठ के अनुष्का पाल हत्याकांड मामले में पीड़ित स्वजन भी सपा प्रमुख से मिले। सपा प्रमुख ने पीड़ित परिवार के एक व्यक्ति को सरकारी नौकरी, 50 लाख रुपये की आर्थिक मदद और सीबीआई जांच की मांग की।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामला: सीएम योगी के कार्यक्रम से दूर रहेंगे ट्रस्ट महासचिव चंपतराय

(जीएनएस)।

अयोध्या। रामजन्मभूमि परिसर के शिव मंदिर पर ध्वजारोहण करने के डेढ़ माह बाद फिर राम मंदिर पहुंच रहे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कार्यक्रम से श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपतराय को दूर कर दिया गया है।

सीएम के कार्यक्रम को लेकर जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी की ओर से जारी हुए पत्र में बिंदु संख्या-29 पर चंपतराय से अपेक्षा की गयी है कि मुख्यमंत्री के राम मंदिर में दर्शन करने की स्थिति में अपना कोई प्रतिनिधि नामित करते हुए ड्यूटीरत मंदिर मजिस्ट्रेट को सीयूजी नंबर-9454417152 पर अवगत करा दें। हालांकि, डीएम कार्यालय के अनुसार अभी प्रतिनिधि नहीं नामित हुआ है। माना जा रहा कि जिला प्रशासन ने यह कदम शासन से मिले निर्देश के बाद ही उठाया है।

राम मंदिर के दानपात्रों की धनराशि में गबन का मामला प्रकाश में आने के 13 दिनों बाद अब तक

कई संदिग्धों के नाम सामने आ चुके हैं। इनमें से कुछ महासचिव चंपतराय के भी करीबी बताए गए हैं। कभी उनके ड्राइवर रहे रामशंकर यादव टिन्नू की भूमिका भी संदेह के दायरे में है। हालांकि वह दो दिन पहले सामने आकर स्वयं को बेदाग बता चुके हैं।

टिन्नू ने चंपतराय की भूमिका को भी नकारा है। इसके बाद भी राज्य सरकार की ओर से गठित विशेष जांच दल (एसआइटी) ने महासचिव चंपतराय व व्यवस्थापक गोपाल राव से दो दिन जानकारी ली है। चढ़ावा चोरी की एसआइटी जांच के बीच ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का कार्यक्रम प्रस्तावित हो गया है। सीएम का शुक्रवार को पहले रुदौली क्षेत्र के माता कामाख्याधाम में आगमन होगा। रुदौली विधायक रामचंद्र यादव ने बताया कि सीएम वीरांगना झलकारी बाई की प्रतिमा का अनावरण, दर्शन-पूजन और कई योजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास करेंगे। रुदौली से ही वह गोंडा जनपद चले जाएंगे। दूसरी बेला में उनका पुनर्आगमन अयोध्या में होगा। इस दौरान वह सबसे पहले बजरंगबली, फिर रामलला का दर्शन करेंगे और अन्य कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे।

मुख्यमंत्री के राम मंदिर में दर्शन के दौरान महासचिव चंपतराय का मुख्यमंत्री से आमना सामना न हो, इसके लिए उन्हें अपना प्रतिनिधि नामित करके अवगत कराने को कहा गया है। सूत्रों का कहना है कि एसआइटी जांच और चढ़ावा चोरी प्रकरण के कारण ही शासन से मिले निर्देशों के अनुपालन में ही जिलाधिकारी ने यह अपेक्षा की है।

अयोध्या सहित आस-पास की सीटें क्यों हारी बीजेपी? पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने बता दी बड़ी वजह

बीजेपी के पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने एक बार फिर अपनी सरकार पर सवाल खड़े किए हैं. उन्होंने कहा कि अयोध्या समेत आस-पास की सीटों पर 2024 में मिली हार की वजह बैरियर थी. उन्होंने कहा कि इतने बैरियर लगा दिए गए कि आम जनता अयोध्या से कट गई. आखिर 6-7 सालों से बैरियर लगाकर रास्ता क्यों बंद किया गया था.

(जीएनएस)।

गोंडा. गोंडा जिले की कैसरगंज लोकसभा सीट से पूर्व भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने एक बार फिर अपनी ही सरकार को कटघरे में खड़ा किया है. पहले राम मंदिर चढ़ावा चोरी और अब गोंडा से लेकर अयोध्या तक लगे बैरियर को लेकर अपनी नाराजगी जाहिर की है. बृजभूषण शरण सिंह ने कहा कि यही वजह है कि 2024 के लोकसभा चुनाव में अयोध्या समेत आस-पास की सीटों पर पार्टी को हार झेलनी पड़ी.

उन्होंने कहा कि इन बैरियर की

वजह से सजा आम जनता ने भुगता, जिसकी वजह से बीते चुनाव में पार्टी को सबसे बड़ा नुकसान भी हुआ. बृजभूषण शरण सिंह ने कहा कि विनय कटियार आज यह जो सवाल उठा रहे हैं यह 100% सही है. राम मंदिर मंदिर बनने के बाद अगर किसी को सजा मिली तो देवीपाटन और बस्ती मंडल के लोगों को मिली. फैजाबाद और बाराबंकी के लोगों को मिली है. इतने बैरियर लगा दिए गए, जिसकी सजा आम आदमियों ने भोगी है. आम आदमी अयोध्या से कट गया. इसका परिणाम भी पार्टी ने भोगा है. आप देखिए अयोध्या, अम्बेडकर नगर, बस्ती, बाराबंकी सीट हार गए.

बैरियर का खामियाजा पार्टी ने भोगा

बृजभूषण शरण सिंह ने कहा कि मेरा सवाल है रास्ते क्यों बंद किए गए थे. यह रास्ते जो अब आवाज उठाने पर खोले गए हैं, 6-7 साल से क्यों बंद थे. 200 रुपए दीजिये तो तुरंत बैरियर हट जाएगा. इसका खामियाजा पार्टी ने भोगा है. बृजभूषण शरण सिंह ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि 2024 लोकसभा चुनाव निराशाजनक प्रदर्शन के पीछे बैरियर यानी टोल प्लाजा ही थे.

राम मंदिर में चोरी पर खरी खरी सुनाने के बाद खुद के राम मंदिर दर्शन करने जाने को लेकर भी बड़ा बयान दिया. उन्होंने कहा कि मैं तो अभी तक अयोध्या राम मंदिर दर्शन करने के लिए ही नहीं गया. अब जब विनय कटियार दर्शन करने के लिए जाते हैं तो उनसे तो पास मांगा जाता है. हमको तो दर्शन करने जाने ही नहीं देंगे, सब लठ्ठ बजा देंगे. हमसे तो सब बहुत नाराज रहते हैं. बृजभूषण शरण सिंह ने कहा कि विनय कटियार अगर कह रहे हैं कि मंदिर आंदोलन से जुड़े लोगों की अपेक्षा हो रही है तो क्या गलत कह रहे हैं.

जैन मुनि, जैन दर्शन के सिद्धांतों और विचारों के माध्यम से पूरे विश्व में परिवर्तन ला रहे हैं: लोक सभा अध्यक्ष

जैन धर्म की शिक्षाएँ, शांति, आत्म-संयम और नैतिक जीवन जीने का एक शाश्वत मार्ग दिखाती हैं: लोक सभा अध्यक्ष

आत्म-संयम, मन पर नियंत्रण, विचारों की शुद्धता और नैतिक मूल्यों का अनुसरण करने से परमानंद की प्राप्ति होती है । : लोक सभा अध्यक्ष

माननीय लोक सभा अध्यक्ष ने रायपुर, छत्तीसगढ़ में आचार्य पदारोहण एवं सहस्त्रावधान तपस्या महोत्सव में लोगों को संबोधित किया ।

(जीएनएस)।

रायपुर (छत्तीसगढ़), 18 जून 2026: लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने आज कहा कि जैन मुनि और संत, जैन दर्शन के सिद्धांतों और मूल्यों के माध्यम से न केवल भारत, बल्कि पूरे विश्व में सामाजिक परिवर्तन ला रहे हैं ।

परम पूज्य आचार्य श्री विनय कुशल जी महाराज के भव्य आचार्य पदारोहण समारोह में अपने विचार व्यक्त करते हुए श्री बिरला ने वर्तमान समय की चुनौतियों का समाधान करने में जैन दर्शन की शिक्षाओं को बहुत प्रासंगिक बताया । उन्होंने कहा कि ऐसे समय, जबकि समाज तनाव, चिंता, संघर्ष और नैतिक मूल्यों के पतन जैसी चुनौतियों का सामना कर रहा है, जैन धर्म की शिक्षाएँ शांति, आत्म-संयम और नैतिक जीवन जीने का एक शाश्वत मार्ग दिखाती हैं।

इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय; छत्तीसगढ़ विधान सभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह; केन्द्रीय मंत्री श्री तोखन साहू, सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

जैन दर्शन के मूल सिद्धांतों पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि सच्ची खुशी केवल भौतिक संपदा से प्राप्त नहीं की जा सकती। बल्कि, आत्म-संयम, अपने मन पर नियंत्रण, विचारों की पवित्रता और नैतिक मूल्यों के पालन से ही स्थायी संतुष्टि प्राप्त होती है। इस संदर्भ में, उन्होंने इस बात पर बल दिया कि अहिंसा, करुणा और संयम संबंधी भगवान महावीर की शिक्षाएं आज पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक हैं। उन्होंने कहा कि सभी जीवों के प्रति अहिंसा, करुणा और दया का व्यवहार करके ही विश्व में शांति स्थापित की जा सकती है। उन्होंने जैन संतों की प्रशंसा करते हुए कहा कि उन संतों ने सत्य, सहानुभूति और आध्यात्मिक जागरूकता जैसे मूल्यों आधारित नैतिक समाज के निर्माण के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया।

जैन संतों के आत्म संयम को नमन करते हुए, श्री बिरला ने उन संतों के प्रेरक उदाहरण पर प्रकाश डाला जो अपने अंतर्मन को दृढ़ बनाने और समाज का मार्गदर्शन करने के लिए दीर्घ उपवास एवं कठोर आध्यात्मिक साधना करते हैं। गहन आध्यात्मिक अनुशासन के माध्यम से एक युवा बाल मुनि द्वारा सिद्धि प्राप्त करने की उल्लेखनीय उपलब्धि का उल्लेख करते हुए, श्री बिरला ने कहा कि इस प्रकार की उपलब्धियाँ इस बात को दशार्ती हैं कि कम आयु में भी एकाग्रता, ज्ञान और तपस्या के माध्यम से अपने जीवन को पूरी तरह से बदला जा सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि जैन आचार्यों और संतों का जीवन अनुशासन, त्याग और निस्वार्थ सेवा का जीवंत उदाहरण है। उनका आचरण लोगों को अपने जीवन में धैर्य, आत्मसंयम और नैतिक मूल्यों को अपनाने के लिए प्रेरित करता है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि संतों और मुनियों का मार्गदर्शन, भावी पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा और आध्यात्मिक विकास तथा नैतिक उत्कृष्टता के प्रति समाज की प्रतिबद्धता को मजबूत करेगा।

श्री बिरला ने लोगों से सत्य, नैतिकता, आत्म-अनुशासन और करुणा के मूल्यों को अपनाने का आह्वान करते हुए कहा कि इन्हीं मूल्यों के आधार पर मजबूत तथा अधिक सौहार्दपूर्ण समाज का निर्माण हो सकता है। उन्होंने दोहराया कि जैन संतों की शिक्षाएं और भगवान महावीर का दर्शन शांतिपूर्ण, नैतिक और प्रबुद्ध समाज के निर्माण के लिए प्रेरणा के प्रभावशाली स्रोत बनी हुई हैं।

यूपी में अब हर वीकेंड 'सुगम दर्शन'; लखनऊ और प्रयागराज से शुरू होगी यात्रा, वरिष्ठ नागरिकों को मिलेगी यह सुविधा

(जीएनएस)।

लखनऊ : उत्तर प्रदेश सरकार ने 'विजिट माय स्टेट' अभियान के माध्यम से श्रद्धालुओं को रामनगरी अयोध्या की दिव्य आस्था और नैमिषारण्य की सनातन आध्यात्मिक चेतना से जोड़ने का अभियान तेज किया है. उत्तर प्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम (यूपीएसटीडीसी) ने 'सुगम दर्शन' सहित पांच वीकेंड धार्मिक टूर पैकेज को रेग्यूलर कर दिया है. अब श्रद्धालु लखनऊ से अयोध्या और नैमिषारण्य के साथ-साथ प्रयागराज-अयोध्या, प्रयागराज-चित्रकूट और प्रयागराज-विंध्याचल धाम की यात्रा नियमित रूप से कर सकेंगे. इन सेवाओं का लाभ इस वीकेंड से मिलना प्रारंभ हो जाएगा.

समूह बुकिंग पर विशेष छूट : यूपीएसटीडीसी प्रदेश में 'विजिट माय स्टेट' अभियान को बढ़ावा देते हुए यात्रियों के लिए बुकिंग प्रक्रिया को और आसान बनाया है. श्रद्धालु और पर्यटक अपनी सुविधा के अनुसार ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों से यात्रा की बुकिंग करा सकते हैं. विशेष टूर पैकेज की बुकिंग यूपीएसटीडीसी की आधिकारिक वेबसाइट ४स्र२३.ङ्किल्ल के माध्यम से की जा सकती है. सभी यात्रा पैकेज में समूह बुकिंग पर विशेष छूट दी जाएगी.

'सुगम दर्शन' सेवा को नियमित किया गया : उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि 'यूपीएसटीडीसी श्रद्धालुओं और पर्यटकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए समय-समय पर आकर्षक टूर पैकेज संचालित करता है. उन्होंने बताया कि विजिट माय स्टेट को बढ़ावा देते हुए 'सुगम दर्शन' सेवा को व्यापक जनसमर्थन के बाद नियमित कर दिया गया है.'

लखनऊ से नैमिषारण्य धाम के लिए संचालित एक दिवसीय यात्रा को भी नियमित किया गया है. उन्होंने बताया कि कुंभ नगरी प्रयागराज से राम नगरी अयोध्या, चित्रकूट धाम और विंध्याचल के लिए एक दिवसीय वीकेंड टूर पैकेज को भी नियमित किया गया है. उन्होंने कहा कि अगर किसी यात्रा में सिर्फ दो श्रद्धालु ही बुकिंग कराते हैं, तब भी यात्रा संचालित की जाएगी.

सुबह 7:30 बजे से होगी यात्रा की शुरूआत : लखनऊ से अयोध्या के लिए अब हर शनिवार और रविवार को

संचालित होने वाली इस एकदिवसीय 'सुगम दर्शन' यात्रा की शुरूआत सुबह 7:30 बजे राजधानी स्थित होटल गोमती से होगी. इसके बाद वाहन 1090 चौराहे (7:45 बजे) और पॉलिटेक्निक चौराहे (आठ बजे) से श्रद्धालुओं को लेकर लगभग 10:30 बजे अयोध्या पहुंचेगा.

हनुमानगढ़ी, श्रीराम जन्मभूमि और कनक भवन के दर्शन : दिनभर के भ्रमण के दौरान श्रद्धालुओं को हनुमानगढ़ी, श्रीराम जन्मभूमि और कनक भवन के पावन दर्शन कराए जाएंगे. दोपहर में सरयू गेस्ट हाउस में भोजन की व्यवस्था के बाद सरयू रिवर फ्रंट, राम की पैड़ी और नागेश्वरनाथ मंदिर का भ्रमण कराया जाएगा. शाम पांच बजे यात्रियों की लखनऊ वापसी होगी.

टेंपो ट्रैवलर के माध्यम से संचालित इस किफायती पैकेज का शुल्क वरिष्ठ नागरिकों के लिए 1,500 रुपये और अन्य यात्रियों के लिए 2,000 रुपये निर्धारित किया गया है. यात्रा को सुविधाजनक और आरामदायक बनाने के लिए स्थानीय गाइड, पेयजल और दोपहर के भोजन की व्यवस्था भी सुनिश्चित की गई है.

लखनऊ-नैमिषारण्य एक दिवसीय यात्रा प्रत्येक शुक्रवार लखनऊ के होटल से सुबह 07:30 बजे शुरू होगी, जो 10 बजे गंतव्य तक पहुंचेगी. बाद में यात्रियों को चक्रतीर्थ, व्यास गद्दी और दधीचि कुंड के दर्शन करवाए जाएंगे. लंच के बाद श्रद्धालुओं को ललिता देवी मंदिर, बालाजी मंदिर, हवन कुंड और हनुमान गढ़ी मंदिर के भ्रमण कराए जाएंगे.

शाम 05:30 बजे लखनऊ के लिए टेंपो ट्रैवलर रवाना होगी, जो करीब आठ बजे लखनऊ पहुंचेगी. यह टेंपो ट्रैवलर भी यात्रियों की सुविधानुसार होटल से सुबह 7:30 बजे, 1090 चौराहे से सुबह 7:45 बजे और पॉलिटेक्निक चौराहे से सुबह आठ बजे रवाना होगा. लखनऊ-नैमिषारण्य यात्रा पैकेज अंतर्गत वरिष्ठ नागरिकों के लिए यात्रा शुल्क 1,000 रुपये और अन्य यात्रियों के लिए 1,700 रुपये निर्धारित किया गया है.

प्रयागराज-चित्रकूट एक दिवसीय यात्रा हर शनिवार सुबह सात बजे प्रयागराज से शुरू होकर लगभग 10 बजे चित्रकूट पहुंचेगी, जहां श्रद्धालुओं को भगवान श्रीराम की तपोभूमि से जुड़े प्रमुख धार्मिक स्थलों के दर्शन कराए जाएंगे. यात्रा के दौरान गुप्त गोदावरी, माता अनसूया आश्रम, स्फटिक शिला और राम दरबार के साथ-साथ कामतानाथ मंदिर और हनुमान धारा के दर्शन का अवसर मिलेगा.

दोपहर में भोजन (स्व-वित्तपोषित आधार पर) की व्यवस्था रहेगी. इसके बाद शाम पांच बजे वापसी यात्रा प्रारंभ होगी. रात आठ बजे प्रयागराज पहुंचकर यात्रा का समापन होगा. आरामदायक अर्बेनिया ट्रैवलर से संचालित इस पैकेज का शुल्क मात्र 1000 रुपये प्रति व्यक्ति निर्धारित किया गया है.

यूपीएसटीडीसी की तरफ से श्रद्धालुओं के लिए प्रयागराज से विंध्याचल तक विशेष एक दिवसीय धार्मिक पर्यटन पैकेज संचालित किया जा रहा है. यह यात्रा हर शुक्रवार सुबह सात बजे प्रयागराज से शुरू होकर लगभग 10 बजे विंध्याचल पहुंचेगी, जहां श्रद्धालुओं को मां विंध्यवासिनी देवी के दिव्य दर्शन का अवसर प्राप्त होगा.

भोजन के बाद श्रद्धालुओं को अष्टभुजा मंदिर और काली खोह जैसे प्रमुख शक्तिपीठों के दर्शन कराए जाएंगे. शाम पांच बजे वापसी यात्रा शुरू होगी और रात आठ बजे प्रयागराज पहुंचकर यात्रा का समापन होगा. आरामदायक अर्बेनिया ट्रैवलर से संचालित इस पैकेज का शुल्क मात्र 600 रुपये प्रति व्यक्ति निर्धारित किया गया है.

उत्तर प्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम की तरफ से श्रद्धालुओं के लिए प्रयागराज से अयोध्या तक एक दिवसीय विशेष धार्मिक यात्रा भी संचालित की जा रही है. यह यात्रा हर रविवार सुबह सात बजे प्रयागराज से शुरू होकर 10 बजे अयोध्या पहुंचेगी, जहां श्रद्धालु राम की पैड़ी में पवित्र स्नान, हनुमानगढ़ी और श्रीराम मंदिर के दर्शन कर सकेंगे.

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर चालक की एक गलती से खतरे में पड़ गईं पांच जिंदगियां, भयानक हुआ हादसा

(जीएनएस)।

आगरा, आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर लखनऊ से आगरा लौट रही एक कार चालक को झपकी आने से अनियंत्रित होकर पुलिया से टकरा गई। हादसे में चालक समेत पांच लोग घायल हो गए, जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद आगरा रेफर किया गया।

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर बुधवार मध्यरात्रि लखनऊ से आगरा आ रही एक कार चालक को नींद की झपकी आने से अनियंत्रित कार पुलिया से टकराकर क्षतिग्रस्त हो गई।हादसे में

चालक समेत पांच लोग घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस और यूपीडा की टीम ने घायलों को कार से बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया।

पुलिस के मुताबिक कार चालक दिनेश पुत्र दाताराम निवासी नगला सुखराम, जिला आगरा, लखनऊ से आगरा लौट रहा था। कार में अभय सोनी पुत्र रबीस वर्मा निवासी नगला पदी, दयालबाग (आगरा), लीना वर्मा पुत्री दिनेश चंद्र वर्मा निवासी सेफऊ (हाथरस), शेफाली पुत्री सुरेश चंद तथा सालू वर्मा पुत्री मोहित वर्मा निवासी प्रताप नगर, आगरा सवार थे।जैसे ही उनकी कार बुधवार मध्यरात्रि थाना फतेहाबाद क्षेत्र में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे के किलोमीटर 36.500 पर पहुंचते ही चालक को नींद की झपकी आ गई। इससे कार अनियंत्रित होकर पुलिया से टकरा गई। हादसे में कार सवार सभी लोग घायल हो गए।

सूचना मिलते ही फतेहाबाद पुलिस और यूपीडा की टीम मौके पर पहुंची। टीम ने घायलों को कार से बाहर निकालकर सीएचसी फतेहाबाद में भर्ती कराया। प्राथमिक उपचार के बाद सभी घायलों को बेहतर इलाज के लिए आगरा रेफर कर दिया गया। यूपीडा के सहायक सुरक्षा अधिकारी प्रथम राधा मोहन द्विवेदी ने बताया कि चालक को नींद की झपकी आने के कारण कार पुलिया से टकरा गई थी। सभी घायलों को उपचार के लिए

केंद्र का बड़ा कदम: पीएसएस के तहत चार राज्यों में दाल और तिलहन खरीद से किसानों को होगा फायदा- श्री शिवराज सिंह चौहान

(जीएनएस)।

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने गुरुवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से चार राज्यों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) पर दालों एवं तिलहन की बड़े पैमाने पर खरीद को मंजूरी दी। मूल्य समर्थन योजना (PSS) के तहत तमिलनाडु, गुजरात, उत्तर प्रदेश और हरियाणा में यह खरीद की जाएगी जिससे किसानों को लाभकारी मूल्य सुनिश्चित होगा और उन्हें अपनी उपज औने-पौने दामों पर बेचने से राहत मिलेगी।

केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के इस फैसले के तहत उत्तर प्रदेश को सबसे बड़ा लाभ मिला है, जहां ग्रीष्म 2026 सीजन के लिए 48,298 मीट्रिक टन मूंग, 97,970 मीट्रिक टन उड़द और 41,718 मीट्रिक टन मूंगफली की खरीद को मंजूरी दी गई है। इन स्वीकृतियों का कुल टरढ मूल्य 1,490 करोड़ रुपये से अधिक है। इससे राज्य के दाल और तिलहन उत्पादक किसानों को बड़ा सहारा मिलेगा।

श्री शिवराज सिंह द्वारा गुजरात में ग्रीष्म 2026 सीजन के लिए 18,250 मीट्रिक टन मूंग की खरीद को मंजूरी दी गई है। यह खरीद भी ढरर के तहत की जाएगी और इसका कुल टरढ मूल्य 160 करोड़ रु. से अधिक होगा। इस निर्णय से राज्य के मूंग उत्पादक किसानों को बाजार में बेहतर मूल्य मिल सकेगा।

तमिलनाडु के मामले में केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह ने रबी मार्केटिंग सीजन 2025-26 के लिए मूंग की खरीद सीमा को 885 मीट्रिक टन से बढ़ाकर 990 मीट्रिक टन कर दिया है। यानी अतिरिक्त 105 मीट्रिक टन मूंग की खरीद की जाएगी। इस स्वीकृति का कुल टरढ मूल्य 8.68 करोड़ रु. होगा जिससे राज्य के किसानों को सीधा लाभ मिलेगा। वहीं, हरियाणा में ग्रीष्म 2026 सीजन के लिए 2,115 मीट्रिक टन मूंग की खरीद को मंजूरी दी गई है

लखनऊ में एलडीए के 72 फ्लैटों पर संकट! सिंचाई विभाग ने अवैध निर्माण बता किया नोटिस चस्पा, 7 दिन का अल्टीमेटम

(जीएनएस)।

लखनऊ। लखनऊ विकास प्राधिकरण (LDA) की सरदार पटेल आवासीय योजना एक नए विवाद में घिर गई है। सिंचाई विभाग ने योजना के एक फ्लैट पर नोटिस चस्पा करते हुए निर्माण को अपनी भूमि पर किया गया अवैध निर्माण बताया है। विभाग ने संबंधित आवंटी को सात दिन के भीतर कब्जा हटाने का अल्टीमेटम दिया है। चेतावनी दी गई है कि निर्धारित समयसीमा के भीतर कार्रवाई न होने पर विभाग स्वयं कब्जा हटाने की कार्रवाई करेगा।

सिंचाई विभाग ने जारी किया नोटिस

सिंचाई विभाग द्वारा चस्पा किए गए नोटिस में कहा गया है कि संबंधित फ्लैट विभाग की भूमि पर अवैध रूप से निर्मित है। नोटिस के अनुसार सात दिन के भीतर कब्जा नहीं हटाया गया तो विभाग नियमानुसार कार्रवाई करेगा। साथ ही कार्रवाई के दौरान होने वाले नुकसान की जिम्मेदारी आवंटी की होगी। विभाग ने यह भी स्पष्ट किया है कि अवैध कब्जा न हटाने की स्थिति में हर्जा-खर्चा और समन शुल्क भी वसूला जाएगा।

डालीबाग स्थित सरदार पटेल आवासीय योजना को लेकर अब सिंचाई विभाग और छऊअ के बीच विवाद की स्थिति बन गई है। बताया जा रहा है कि सिंचाई विभाग ने योजना के आखिरी छोर पर बने फ्लैट पर नोटिस लगाया है और भूमि पर अपना दावा जताया है।

72 फ्लैटों की योजना पर संकट

छऊअ ने करीब 2,314 वर्गमीटर भूमि पर सरदार पटेल आवासीय योजना विकसित की थी। इस योजना में कुल 72 फ्लैट बनाए गए थे। नवंबर 2025 में लॉटरी के माध्यम से 72 पात्र आवेदकों को फ्लैट आवंटित किए गए थे। योजना के लिए करीब 8 हजार लोगों ने ऑनलाइन आवेदन किया था।

मुख्यमंत्री ने सौंपी थीं चाबियां

4 नवंबर 2025 को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लाभार्थियों को

उत्तर प्रदेश में फिर से भीषण गर्मी का प्रकोप, अब सभी सरकारी स्कूलों में ग्रीष्मकालीन अवकाश 24 तक

(जीएनएस)।

लखनऊ। बच्चों को लेकर बेहद संवेदनशील मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर सरकारी स्कूलों में ग्रीष्मकालीन अवकाश को बढ़ा दिया है। अब स्कूलों में 25 जून से नियमित पढ़ाई होगी। शिक्षक और शिक्षिकाओं को 22 जून से ही स्कूल आकर तैयारी शुरू करनी होगी। एक शैक्षणिक सत्र में प्रारंभिक स्तर के विद्यालयों में कम से कम 220 कार्य दिवसों तक पठन-पाठन अनिवार्य है।

अपर मुख्य सचिव शिक्षा पार्थ सारथी सेन शर्मा ने मुख्यमंत्री के निर्देश पर उत्तर प्रदेश में भीषण गर्मी और हीट वेव के कारण स्कूलों में ग्रीष्मकालीन अवकाश 24 जून तक बढ़ाने का आदेश जारी कर दिया है। अब स्कूलों में 25 जून से नियमित पढ़ाई शुरू होगी। शिक्षकों को 22 जून से विद्यालय में उपस्थित होकर नए शैक्षणिक सत्र की तैयारियां पूरी करने का निर्देश दिया गया है।

इस संबंध में अपर मुख्य सचिव बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा पार्थ सारथी सेन शर्मा ने आदेश जारी कर दिया है। अब तक बेसिक शिक्षा परिषद के शैक्षणिक कैलेंडर में हर वर्ष 20 मई से 15 जून तक ग्रीष्मकालीन अवकाश निर्धारित था। 16 जून से स्कूल खुल गए थे। अब 25 जून को बच्चे स्कूल जाएंगे। पिछले कुछ वर्षों से भीषण गर्मी और हीट वेव की स्थिति को देखते हुए जिलाधिकारियों को स्थानीय स्तर पर अवकाश बढ़ाने का निर्णय लेना पड़ रहा था। इसी को ध्यान में रखते हुए सरकार ने स्थायी रूप से अवकाश की अवधि बढ़ाने का फैसला किया है।

योगी आदित्यनाथ सरकार का उद्देश्य बच्चों को भीषण गर्मी से सुरक्षित रखते हुए नए शैक्षणिक सत्र को बेहतर और व्यवस्थित शुरुआत सुनिश्चित करना है। प्रदेश सरकार ने यह निर्णय पिछले वर्षों के अनुभवों को ध्यान में रखते हुए लिया है, जब हीट वेव की स्थिति के कारण जिलाधिकारियों को स्थानीय स्तर पर बार-बार अवकाश बढ़ाना पड़ता था। नई व्यवस्था से पूरे प्रदेश में एकरूपता सुनिश्चित होगी और विद्यार्थियों, अभिभावकों तथा शिक्षकों को स्पष्ट शैक्षणिक कैलेंडर उपलब्ध हो सकेगा।

सरकार ने बच्चों की सुरक्षा, स्वास्थ्य और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए बड़ा निर्णय लिया है। प्रदेश में लगातार बढ़ रही गर्मी और हीट वेव की परिस्थितियों को देखते हुए बेसिक शिक्षा परिषद के नियंत्रणाधीन एवं मान्यता प्राप्त विद्यालयों में ग्रीष्मकालीन अवकाश की अवधि बढ़ाकर 24 जून तक कर दी गई है। उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा परिषद के नियंत्रणाधीन संचालित परिषदीय एवं मान्यता प्राप्त विद्यालयों में ग्रीष्मकालीन अवकाश को 24 जून तक बंद रखने का निर्देश दिया है।

प्रदेश में प्रचंड गर्मी की वापसी, इन 26 जिलों में आज चलेगी जानलेवा लू; मानसून को लेकर डराने वाला है अलर्ट

लखनऊ उत्तर प्रदेश में मौसम इन दिनों अजब गजब रंग दिखा रहा है। बुधवार को प्रदेश के कई जिलों में भीषण गर्मी और लू का प्रकोप बना रहा, जबकि कुछ इलाकों में तेज हवाओं के साथ हल्की बूंदाबांदी ने लोगों को राहत दी। दोपहर बाद वाराणसी, चंदौली समेत दक्षिण व पश्चिम के कुछ जिलों में तेज हवा चली और हल्की बूंदाबांदी हुई। हालांकि इससे पहले इन क्षेत्रों में भी गर्म हवाओं का असर बना रहा।

बुधवार को 45 डिग्री सेल्सियस तापमान के साथ प्रयागराज प्रदेश का सबसे गर्म शहर रहा। वाराणसी में अधिकतम तापमान 42.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि झांसी और चुर्क में पारा 42 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया।

26 जिलों में लू का अलर्ट

मौसम विभाग ने बृहस्पतिवार के लिए बुंदेलखंड और दक्षिणी उत्तर प्रदेश समेत करीब 26 जिलों में लू चलने की आशंका जताते हुए येलो अलर्ट जारी किया है।

मानसून के लिए करना होगा इंतजार

क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के अनुसार फिलहाल प्रदेश में कोई प्रभावी मौसम तंत्र सक्रिय नहीं है। ऐसे में उत्तर प्रदेश में मानसून के आगमन में अभी लगभग एक सप्ताह का समय लग सकता है।

इन जिलों में है लू का येलो अलर्ट

बांदा, चित्रकूट, कौशांबी, प्रयागराज, फतेहपुर, प्रतापगढ़, सोनभद्र, मिर्जापुर, चंदौली, वाराणसी, भदोही, जौनपुर, गाजीपुर, आजमगढ़, गोंडा, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी, सीतापुर, बाराबंकी, रायबरेली, अमेठी, सुल्तानपुर, अयोध्या, अंबेडकर नगर व आस पास के क्षेत्र।

केंद्रीय मंत्री श्री प्रल्हाद जोशी ने खाद्यान्न भंडारण के लिए स्मार्ट वेयरहाउसिंग सिस्टम का शुभारंभ किया

डिपो दर्पण फ्रेमवर्क के तहत सीडब्ल्यूसी और एफसीआई के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले गोदामों को सम्मानित किया गया

(जीएनएस)।

भारत के खाद्यान्न भंडारण तंत्र के आधुनिकीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग (डीएफपीडी) ने आज नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित एक समारोह में खाद्यान्न भंडारण के लिए स्मार्ट वेयरहाउसिंग सिस्टम का शुभारंभ किया। यह प्रणाली सार्वजनिक क्षेत्र के खाद्यान्न भंडारण में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) आधारित प्रौद्योगिकियों की विश्वव्यापी सबसे बड़ी तैनाती का प्रतिनिधित्व करती है।

स्मार्ट वेयरहाउसिंग सिस्टम का उद्घाटन माननीय केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण एवं नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री प्रल्हाद जोशी ने माननीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण राज्य मंत्री श्रीमती निमुबेन जयंतीभाई बंभानिया की उपस्थिति में किया।

इस पहल को केंद्रीय भंडारण निगम (सीडब्ल्यूसी) के 215 बोरी आधारित खाद्यान्न गोदामों में लागू किया गया है, जबकि भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) अतिरिक्त 150 गोदामों में इस प्रणाली को लगा रहा है।

स्मार्ट वेयरहाउसिंग सिस्टम में फास्टैग और एएनपीआर आधारित गेट ऑटोमेशन, जियो-टैग्ड स्मार्ट लॉक के माध्यम से इंटेलिजेंट एक्सेस कंट्रोल, एआई-सक्षम बैग काउंटिंग, फेस रिकग्निशन सिस्टम, ऑब्जेक्ट डिटेक्शन, आईओटी-आधारित पर्यावरणीय मापदंडों की निगरानी और आग, धुआं और चूहे का पता लगाने के लिए एआई-संचालित निगरानी जैसी उन्नत प्रौद्योगिकियां शामिल हैं। यह प्लेटफॉर्म ईआरपी इंटीग्रेशन, स्वचालित रिकॉर्ड निर्माण और वेयरहाउस संचालन के लिए उन्नत एनालिटिक्स का भी समर्थन करता है।

इस प्रौद्योगिकी-आधारित प्रणाली से वाहन के टर्नअराउंड समय (टीएटी) को कम करके, पारदर्शिता बढ़ाकर, अनुपालन निगरानी को

लखनऊ में महिला पर हमला, घर में घुसकर मारपीट का वीडियो वायरल, हमलावरों ने डंडों और लात-घूंसों से पीटा

लखनऊ के सरोजनी नगर इलाके में एक महिला के साथ मारपीट का वीडियो सामने आने के बाद हड़कंप मच गया है. वीडियो में दो युवक महिला के घर के अंदर घुसकर उसके साथ मारपीट करते दिखाई दे रहे हैं. पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है. शुरुआती जांच में पारिवारिक और संपत्ति विवाद को घटना की वजह माना जा रहा है.

(जीएनएस)।

लखनऊः यूपी में लखनऊ के सरोजनी नगर इलाके में एक महिला के साथ मारपीट का मामला सामने आया है. घटना का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें दो युवक एक महिला के साथ हाथापाई करते दिखाई दे रहे हैं.

लखनऊ में महिला पर हमला, घर में घुसकर मारपीट का वीडियो वायरल महिला के साथ मारपीट करते युवक.

मामला थाना सरोजनी नगर क्षेत्र की चंद्रशेखर आजाद नगर कॉलोनी का बताया जा रहा है.

पीड़ित महिला पुष्पा यादव ने पुलिस को दी शिकायत में आरोप लगाया है कि वह अपने पिता के साथ घर पर मौजूद थीं. इसी दौरान उनके रिश्तेदार घर में घुस आए और विवाद के बाद उनके साथ मारपीट की. महिला का आरोप है कि हमलावरों ने डंडों और लात-घूंसों से हमला किया और विरोध करने पर जान से मारने की धमकी भी दी.

बताया जा रहा है कि घटना के दौरान घर में लगे सीसीटीवी कैमरों में पूरी वारदात रिकॉर्ड हो गई. वीडियो सामने आने के बाद मामला चर्चा में आ गया. पीड़िता का कहना है कि मारपीट के बाद परिवार के अन्य सदस्य भी मौके पर पहुंच गए और विवाद और बढ़ गया. पुलिस की शुरुआती जांच में सामने आया है कि दोनों पक्ष आपस में रिश्तेदार हैं और लंबे समय से संपत्ति को लेकर उनके बीच विवाद चल रहा है. इसी पारिवारिक विवाद ने बुधवार को झगड़े का रूप ले लिया.

जानकारी के मुताबिक, विवाद की शुरुआत घर के बाहर कूड़ा फेंकने को लेकर हुई. दोनों पक्षों के

केंद्रीय मंत्री श्री प्रल्हाद जोशी 19 जून 2026 को राष्ट्रीय परीक्षण केंद्र में नई परीक्षण सुविधाओं के शिलान्यास समारोह व उद्घाटन में हिस्सा लेंगे

(जीएनएस)।

उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्री तथा नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री प्रल्हाद जोशी 19 जून 2026 को राष्ट्रीय परीक्षण शाला (एनटीएच) पश्चिमी क्षेत्र, मुंबई का दौरा करेंगे और एनटीएच परिसर में बहुमंजिला आवासीय परियोजना की आधारशिला रखेंगे। इस परियोजना का उद्देश्य अधिकारियों और कर्मचारियों के रहने हेतु इंफ्रास्ट्रक्चर को सुदृढ़ करना और साथ ही संगठन के समग्र संस्थागत इकोसिस्टम को बेहतर बनाना है।

इस कार्यक्रम के दौरान, केंद्रीय मंत्री राष्ट्रीय परीक्षण शाला की ओर से विकसित आधुनिक परीक्षण सुविधाओं की एक श्रृंखला का भी उद्घाटन करेंगे। इनका उद्देश्य देश के गुणवत्ता आश्वासन इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करना और उद्योग, सरकारी एजेंसियों और उपभोक्ताओं के लिए परीक्षण सेवाओं का विस्तार करना है। इनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

राष्ट्रीय परीक्षण शाला (पश्चिमी क्षेत्र), मुंबईः माइक्रोबायोलॉजिकल परीक्षण प्रयोगशाला

राष्ट्रीय परीक्षण शाला (उत्तरी क्षेत्र), गाजियाबादः शू टेस्टिंग फैसिलिटी

एनटीएच-एयूआरआईसी, छत्रपति संभाजीनगरः एनटीएच-एयूआरआईसी उपग्रह परीक्षण प्रयोगशाला और नमूना संग्रह केंद्र

इस कार्यक्रम में उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय, राष्ट्रीय परीक्षण गृह के वरिष्ठ अधिकारी, उद्योग जगत के प्रतिनिधि, वैज्ञानिक संस्थानों के प्रतिनिधि और अन्य विशिष्ट अतिथि शामिल होंगे।

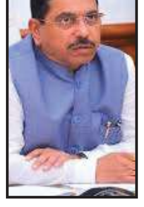

मुंबई में नवस्थापित माइक्रोबायोलॉजिकल टेस्टिंग लैब से कई क्षेत्रों में माइक्रोबायोलॉजिकल विश्लेषण और परीक्षण के क्षेत्र में एनटीएच की क्षमताओं में उल्लेखनीय बढ़ोतरी होगी। गाजियाबाद स्थित शू टेस्टिंग फैसिलिटी से फुटवियर उद्योग को परीक्षण संबंधी सहायता में मजबूती मिलेगी। राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास कार्यक्रम (एनआईसीडीसी) के सहयोग से स्थापित एनटीएच–एयूरिक सैटेलाइट टेस्टिंग लैब और नमूना संग्रह केंद्र से महाराष्ट्र के तेजी से विकसित हो रहे औद्योगिक कॉरिडोर और नजदीकी क्षेत्रों में स्थित उद्योगों को परीक्षण सेवाओं तक बेहतर पहुंच प्राप्त होगी।

इन सुविधाओं का उद्घाटन राष्ट्रीय गुणवत्ता अवसंरचना प्रणाली को सुदृढ़ करने, उपभोक्ता संरक्षण को प्रोत्साहन देने, औद्योगिक प्रतिस्पर्धा को बढ़ाने और राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुपालन को सुगम बनाने के प्रति भारत सरकार की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उपभोक्ता मामलों के विभाग, उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन राष्ट्रीय परीक्षण शाला (एनटीएच) एक प्रमुख संस्थान है जो विभिन्न औद्योगिक एवं वैज्ञानिक क्षेत्रों में गुणवत्ता आश्वासन, परीक्षण और मापांकन सेवाएं प्रदान करता है।

लखनऊ विश्वविद्यालय में 25 जुलाई तक प्रवेश, 27 से नए विद्यार्थियों की पढ़ाई

(जीएनएस)।

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने परिसर एवं सहयुक्त महाविद्यालयों के लिए सत्र 2026–27 का एकेडमिक कैलेंडर जारी कर दिया है। इसके तहत प्रथम सेमेस्टर की प्रवेश प्रक्रिया 25 जुलाई तक पूरी की जाएगी।

27 जुलाई से नए प्रवेशित विद्यार्थियों की पढ़ाई शुरू होगी। वहीं, तीसरे सेमेस्टर की 21 जुलाई से आरंभ की जाएगी। कुलसचिव डा. भावना मिश्रा ने कालेजों को एकेडमिक कैलेंडर की समय सीमा का अनुपालन करने के निर्देश दिए हैं।

नए विद्यार्थियों के लिए इंडक्शन प्रोग्राम 27 से 31 जुलाई तक होगा। सेमेस्टर का शिक्षण कार्य पूरा करने की अवधि 15 सप्ताह यानी 90 दिन तय किया गया है जो 31 अक्टूबर तक पूरा होगा। 10 नवंबर से प्रयोगात्मक परीक्षाएं और 12 नवंबर से 11 दिसंबर तक संचालित की जाएगी। शीतकालीन अवकाश 21 दिसंबर से तीन जनवरी तक निर्धारित किया गया है। सेमेस्टर परीक्षा परिणाम घोषित होने की अंतिम तिथि तीन जनवरी है।

सम सेमेस्टर की कक्षाएं चार जनवरी से

दूसरे, चौथे, छठे और आठवें सेमेस्टर की कक्षाएं चार जनवरी से शुरू होकर तीन अप्रैल तक जारी रहेंगी। 10 अप्रैल से प्रयोगात्मक परीक्षाएं और 12 अप्रैल से सेमेस्टर परीक्षाएं शुरू होंगी। वार्षिक परीक्षा परिणाम 15 जून तक जारी होंगे। एक जून से गर्मी की छुट्टी शुरू हो जाएगी।

केंद्रीय गृह मंत्री ने सहकारी बैंकिंग, जैविक उत्पादों और सहकारी निर्यात को मजबूत करने के लिए बनाए गए राष्ट्रीय रोडमैप की समीक्षा की

(जीएनएस)।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने नई दिल्ली में राष्ट्रीय स्तर की सहकारी पहलों पर समीक्षा बैठकों की श्रृंखला की अध्यक्षता की। इन पहलों का उद्देश्य सहकारी बैंकिंग व्यवस्था को मजबूत करना, सहकारी संस्थाओं के माध्यम से जैविक उत्पादों को बढ़ावा देना और सहकारी उत्पादों की वैश्विक पहुंच को निर्यात के माध्यम से विस्तार देना है।

इन बैठकों में सहकारिता राज्य मंत्री श्री कृष्ण पाल गुर्जर, सहकारिता मंत्रालय के सचिव डॉ. आशीष कुमार भूटानी, नाबार्ड के अध्यक्ष श्री शाजी के.वी., मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी तथा प्रस्तावित Cooperative Bank of India (COBI), Sahakar Sarathi Private Limited (SSPL), National Urban Cooperative Finance and Development Corporation (NUCFDC), National Cooperative Organics Limited (NCOL) AūSX National Cooperative Exports Limited (NCEL) सहित प्रमुख सहकारी संस्थानों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

प्रमुख सहकारी बैंकिंग पहलों की समीक्षा के दौरान श्री अमित शाह ने सहकारी बैंकिंग क्षेत्र को तकनीक अपनाने, बेहतर प्रशासन, साइबर सुरक्षा, डिजिटल भुगतान, साझा सेवा प्लेटफॉर्म और बेहतर सेवा वितरण के माध्यम से मजबूत करने के लिए किए जा रहे विभिन्न उपायों की प्रगति की जानकारी ली। प्रस्तावित Cooperative Bank of India और आने वाले समय में सहकारी बैंकिंग क्षेत्र को सहयोग देने में उसकी भूमिका पर भी विस्तृत चर्चा हुई।

सहकारी बैंकों के लिए सहकार सारथी की तकनीक आधारित पहलों की प्रगति की भी समीक्षा की गई। बैठक में यह बात सामने आई कि सहकारी बैंकों की ओर से साझा डिजिटल प्लेटफॉर्म और साझा सेवाओं को लेकर उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिल रही है। शहरी और ग्रामीण सहकारी बैंकों में स्वदेशी तकनीकी समाधानों को व्यापक रूप से अपनाने और डिजिटल ढांचे को मजबूत करने पर विशेष जोर दिया गया।

सहकारी बैंकों के लिए समर्पित बैंकिंग डोमेन पहल Bank.in की प्रगति की भी बैठक में समीक्षा की गई। सहकारी बैंकिंग क्षेत्र में तकनीक आधारित सेवाओं और डिजिटल समाधानों के व्यापक उपयोग के लिए जारी प्रयासों पर भी चर्चा हुई।

बैठक में सहकारी बैंकों में धोखाधड़ी जोखिम प्रबंधन और साइबर सुरक्षा क्षमताओं को और मजबूत करने के लिए MuleHunter.AI को Indian Cyber Crime Coordination Centre (I4C) के साथ जोड़ने के कार्य का भी संज्ञान लिया गया। इस पहल से उभरते डिजिटल खतरों से निपटने में सहकारी बैंकों की तैयारी मजबूत होने और डिजिटल सहकारी बैंकिंग सेवाओं में विश्वास बढ़ने की उम्मीद है।

श्री अमित शाह ने क्षेत्रीय संस्थाओं के बीच सहयोग को मजबूत करने और साझा सेवा प्लेटफॉर्म में सहकारी बैंकों की भागीदारी बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने सहकारी बैंकिंग क्षेत्र के लिए मजबूत साइबर सुरक्षा ढांचे, आधुनिक बैंकिंग तकनीक और टिकाऊ व्यावसायिक मॉडल के महत्व को भी रेखांकित किया।

बैठक में यह भी बताया गया कि ठवउऋळ, जो शहरी सहकारी बैंकों के लिए Umbrella Organisation है, सभी शहरी सहकारी बैंकों को एक साझा प्लेटफॉर्म पर लाने और पूरे वउइ क्षेत्र को कवर करने के लिए अपने सदस्यता आधार का विस्तार करने की दिशा में सक्रिय रूप से कार्य कर रहा है। इससे शहरी सहकारी बैंकों को साझा सेवाओं, तकनीकी समाधानों और संस्थागत सहायता तक बेहतर पहुंच मिलेगी।

यह भी बताया गया कि ररढछ ने अीढर सेवाएं शुरू कर दी हैं और चुनिंदा सहकारी बैंकों में ी-ङउ पहले से लाइव है। कुछ राज्यों में इसका विस्तार जारी है और अगस्त 2026 तक 100 सहकारी बैंकों को कवर करने का लक्ष्य रखा गया है। इस पहल से सहकारी बैंकों के लिए डिजिटल बैंकिंग सेवाओं की लागत में उल्लेखनीय कमी आई है।

श्री अमित शाह ने जोर देकर कहा कि सभी ग्रामीण सहकारी बैंकों को रँ१ रं१३ँ ढ१५ं३ी छे३ी का सदस्य बनना चाहिए और सभी शहरी सहकारी बैंकों को ठवउऋळ का सदस्य बनना चाहिए।

अब लखनऊ विश्वविद्यालय देगा बीबीए एलएलबी इंटीग्रेटेड की भी डिग्री, बीसीआई ने दी कोर्स को मंजूरी

(जीएनएस)।

लखनऊ। बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) की स्टैंडिंग कमेटी ने लखनऊ विश्वविद्यालय को रोजगारपरक पाठ्यक्रम यानी पांच वर्षीय बीबीए एलएलबी इंटीग्रेटेड कोर्स की नई मंजूरी दे दी है।

बीसीआई की ओर से जारी पत्र के अनुसार शैक्षणिक सत्र 2026–27 से इस नए पाठ्यक्रम की शुरुआत हो रही है, जिसमें बीसीआई ने प्रति सेक्शन 60 विद्यार्थियों के हिसाब से तीन सेक्शन यानी कुल 180 सीटों को नए सिरे से मंजूरी दी है।

कुलपति प्रो. जेपी सैनी ने कहा कि लवि उत्तर प्रदेश का पहला ऐसा राज्य विश्वविद्यालय बन गया है, जो सीधे अपने परिसर से विद्यार्थियों को पांच वर्षीय बीबीए एलएलबी इंटीग्रेटेड डिग्री कोर्स आफर कर रहा है। यह कदम राज्य के मेधावी विद्यार्थियों को कम खर्च में उच्च स्तरीय कार्पोरेट कानूनी शिक्षा देने में मील का पत्थर साबित होगा।

कोर्स की खास बात

यह पाठ्यक्रम प्रबंधन कारपोरेट जगत की वर्तमान आवश्यकताओं को पूरा करेगा। विद्यार्थी व्यावसायिक संगठनों के संचालन, वित्तीय लेखांकन और मार्केटिंग के साथ-साथ संवैधानिक कानून, व्यापार कानून और अंतरराष्ट्रीय विधिक प्रणालियों का गहन अध्ययन करेंगे। उनमें क्रिटिकल थिंकिंग, समस्या समाधान की क्षमता, प्रभावी बातचीत का कौशल और शोध कौशल को व्यावहारिक रूप से विकसित किया जाएगा।

मूट कोर्ट सत्र, ड्राफ्टिंग, लीगल राइटिंग, केस स्टडी और कारपोरेट हाउस या ला फर्म्स में अनिवार्य इंटर्नशिप इस पाठ्यक्रम का मुख्य हिस्सा हैं। इस ड्यूल-डिग्री प्रोग्राम को पूरा करने के बाद विद्यार्थियों के सामने कारपोरेट जगत और लीगल सेक्टर दोनों ही क्षेत्रों में रोजगार के असीमित अवसर रहेंगे।